INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-263 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, मंगलवार, 17 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

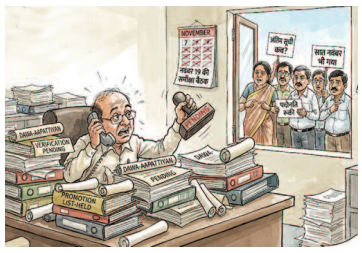
बेसिक शिक्षकों की पदोन्नति दूर,अंतिम वरिष्ठता सूची में भी पेंच

सात नवंबर की समयसीमा बीती, अब तक जारी नहीं हुई शिक्षकों की अंतिम सूची

19 नवंबर को अपर मुख्य सचिव करेंगे समीक्षा, बीएसए की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया अंतिम वरिष्ठता सूची जारी नहीं होने के कारण अटकी हुई है। शासन की ओर से निर्धारित सात नवंबर की समयसीमा बीतने के बावजूद शिक्षा विभाग सूची जारी नहीं कर सका है। दावा-आपत्तियों के निस्तारण में प्रक्रिया उलझने से पदोन्नति तो दूर, पात्र शिक्षकों की अंतिम वरिष्ठता सूची भी अब तक सामने नहीं आ सकी है। इससे विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

बेसिक शिक्षा परिषद ने 30 अक्टूबर को सभी बीएसए को सात नवंबर तक अंतिम वरिष्ठता सूची प्रकाशित कर पदोन्नति प्रक्रिया पूरी कराने



के निर्देश दिए थे। इससे पहले भी एक, नौ और 16 अक्टूबर को निर्देश जारी किए गए थे। विभाग की ओर से जारी अनंतिम वरिष्ठता सूची में कई तरह की गड़बड़ियां सामने आई थीं। किसी शिक्षक की जन्मतिथि गलत दर्ज थी तो किसी का टेट विवरण गायब था। कई शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता कम दर्ज कर दी गई, जबकि कुछ की नियुक्ति तिथि में भी त्रुटियां मिलीं।इन खामियों को लेकर शिक्षकों ने आपत्तियां दर्ज कराईं। मथुरा ब्लॉक के एक सहायक अध्यापक ने नियुक्ति तिथि, मेरिट और जन्मतिथि से जुड़े मानकों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए सूची में संशोधन की मांग की है। आपत्तियों के निस्तारण में देरी के चलते अंतिम सूची जारी नहीं हो सकी है।

19 नवंबर की समीक्षा बैठक में उठेगा पदोन्नति का मुद्दा

शिक्षकों की पदोन्नति का मामला अब शासन स्तर पर होने वाली समीक्षा बैठक में उठाया जाएगा। अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से 12 नवंबर को जारी पत्र के अनुसार, 19 नवंबर को सुबह 10:30 बजे समीक्षा बैठक प्रस्तावित है। इसमें बेसिक शिक्षा के शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया की स्थिति पर चर्चा होगी। ऐसे में जिले के शिक्षकों की निगाहें इस बैठक पर टिकी हैं। इधर, बीएसए रतन कीर्ति से इस मामले की जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। व्हाट्सएप पर भी जवाब नहीं मिला। ऐसे में अंतिम वरिष्ठता सूची जारी होने की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

मथुरा से भाजपा की चुनावी हुंकार

2027 में जीत की हैट्रिक के लिए बिछाई बिसात



गो ग्राम परखम स्थित दीनदयाल कामधेनु गौशाला के स्वर्गीय अशोक सिंघल सभागार में योजना बैठक को संबोधित करते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन साथ है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ हैं उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी आदि।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रदेश पदाधिकारियों को दिया जीत का मंत्र, बूथ से लेकर जनसंपर्क तक संगठन को मजबूत करने की रणनीति

योगी, पंकज चौधरी, केशव और ब्रजेश पाठक समेत दिग्गजों का जमावड़ा, तीन महीने की कार्ययोजना पर हुआ मंथन

यूनिक समय, मथुरा। यूपी में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी चुनावी तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। फरह क्षेत्र के परखम स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गो-विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में दो दिन तक चली प्रदेश योजना बैठक के अंतिम दिन मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। बैठक में तीसरी बार प्रदेश की सत्ता में वापसी के लक्ष्य के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनसंपर्क अभियान तेज करने और सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने की रणनीति बनाई गई। आगामी तीन महीनों की संगठनात्मक कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा हुई।



योजना बैठक में शामिल होने आए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का अभिवादन करते जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष निरंजन धनगर, साथ हैं एमएलसी ओम प्रकाश सिंह, पूर्व विधायक करिंदा सिंह

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मथुरा पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बैठक का शुभारंभ किया। विहिप के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष स्व. अशोक सिंघल की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

बैठक में नितिन नवीन ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में विजय के लिए संगठन की ताकत बूथ स्तर पर दिखाई देनी चाहिए। कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उनके समर्पण, सक्रियता और परिश्रम के बल पर ही भाजपा लगातार जनता का विश्वास हासिल कर रही है। उन्होंने संगठनात्मक कार्यक्रमों को जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू करने और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम से भाजपा 2027 में लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक विजय हासिल करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि प्रदेश योजना बैठक के दूसरे दिन की शुरुआत राधे-राधे और कमल खिलाने के संकल्प के साथ हुई है। उन्होंने सपा, बसपा और कांग्रेस, आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के पास प्रदेश के विकास और जनता के कल्याण का कोई ठोस विकल्प नहीं है। भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला, गरीब, युवा और किसान को प्राथमिकता में रखा है। केंद्र और प्रदेश सरकार इन चारों वर्गों के सशक्तीकरण के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही हैं। भाजपा इन योजनाओं और विकास कार्यों को लेकर जनता के बीच जाएगी।

दो दिवसीय बैठक में बूथ सशक्तीकरण, संगठनात्मक विस्तार, जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के बीच समन्वय, सहयोगी दलों के साथ तालमेल को लेकर भी चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय करने और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। क्षेत्रवार चुनावी रणनीति और आगामी महीनों में चलाए जाने वाले संगठनात्मक अभियानों की रूपरेखा भी तैयार की गई।

बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं मंत्री पंकज चौधरी, राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष, राष्ट्रीय महामंत्री-प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी, हरिश द्विवेदी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, प्रदेश पदाधिकारी एवं संगठन के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

भाजपा की प्रदेश योजना बैठक में यूजीसी, जेन-जी और चुनाव पर मंथन



योजना बैठक में शामिल होने से पहले पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का स्वागत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

वाराणसी में हार ने बढ़ाई चिंता, सपा के बढ़ते प्रभाव की काट तलाशने के साथ श्रीकृष्ण जन्मस्थान को प्रमुख मुद्दा बनाने पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। फरह क्षेत्र के गौ ग्राम स्थित पं. दीनदयाल कामधेनु गौशाला में दो दिन तक चली भाजपा की प्रदेश योजना बैठक में संगठन की चुनौतियों से लेकर आगामी राजनीतिक रणनीति तक पर गहन मंथन हुआ। बैठक में यूजीसी, जेन-जी और एमएलसी चुनाव में सपा की जीत प्रमुख चर्चा के विषय रहे। हाल ही में हुए एमएलसी चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पार्टी प्रत्याशी की हार ने नेताओं को आत्ममंथन के लिए मजबूर किया। दो दिन के दौरान 60 से अधिक वक्ताओं ने अपने विचार रखे और बदलते राजनीतिक समीकरणों पर चिंता जताई।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर प्रदेश स्तर के वक्ताओं ने समाजवादी पार्टी के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव को चुनौती के रूप में देखा। खासकर ओबैसी और रावण के बीच बन रहे राजनीतिक गठजोड़ का मुद्दा भी चर्चा में आया। इसके जरिए विपक्ष सामाजिक समीकरणों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, जिसे भाजपा के लिए चुनौती माना गया। यूजीसी के मुद्दे पर सवर्ण समाज में उभरी नाराजगी भी पार्टी के लिए चिंता का विषय बनी। वक्ताओं के बीच इस बात पर मंथन हुआ कि समाज के विभिन्न वर्गों में संवाद और विश्वास कैसे कायम रखा जाए। वहीं जेन-जी की बदलती सोच, युवाओं की अपेक्षाओं और इंटरनेट मीडिया के प्रभाव को भी राजनीतिक रणनीति से जोड़कर देखा गया।

अंत्योदय के पुरोधा पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली के क्षेत्र में हुई इस बैठक में श्रीकृष्ण जन्मस्थान का मुद्दा भी राजनीतिक विमर्श के केंद्र में रहा। सूत्रों के मुताबिक, विपक्ष की आक्रामक राजनीति की धार कुंद करने के लिए श्रीकृष्ण जन्मस्थान को प्रमुख मुद्दे के रूप में आगे रखने पर विचार हुआ। इसके साथ राष्ट्रवाद, सुशासन और विकास को पार्टी के राजनीतिक एजेंडे का आधार बनाए रखने पर जोर दिया गया। संगठनकर्ताओं का बैठक में संदेश यही रहा कि भाजपा के सामने केवल विपक्ष की राजनीतिक चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक समीकरणों, युवाओं की बदलती सोच और अपने परंपरागत समर्थक वर्गों की नाराजगी दूर करने की भी चुनौती है। इन परिस्थितियों में संगठन और सरकार के कामकाज के बीच बेहतर तालमेल और जनता के बीच प्रभावी संवाद को आगामी रणनीति का अहम हिस्सा माना गया।

गोपाल बाग में हुई गोचारण लीला

गाजे-बाजे के साथ निकली ठाकुर जी की सवारी



मंगलवार को श्रीकृष्ण महोत्सव में गौचारण लीला के दौरान गायन करते चतुर्वेदी समाज के लोग।

चार दिवसीय श्रीकृष्ण महोत्सव का शुभारंभ कल विश्राम घाट पर होगी भजन संध्या



गौचारण लीला में शामिल श्रीकृष्ण-बलराम के स्वरूप।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में चार दिवसीय श्रीकृष्ण महोत्सव (कंस वध मेला) का शुभारंभ धार्मिक उल्लास और भक्ति भाव के साथ शुरू हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन गोचारण लीला का आयोजन किया गया। सुबह विश्राम घाट पर ठाकुरजी की आरती उतारकर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। वहीं ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजों की मधुर धुन के बीच ठाकुरजी की भव्य सवारी निकाली गई। ठाकुरजी घोड़े पर सवार होकर बैंड और ढोल-नगाड़ों के साथ गोपाल बाग (पुराने बस स्टैंड के पीछे) पहुंचे। यहां ठाकुरजी ने गोचरण लीला के दर्शन कराए। लीला के बाद भव्य शोभायात्रा के रूप में ठाकुरजी की सवारी वापस लौटी। शोभायात्रा में बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़े, आकर्षक झांकियां और ठाकुरजी के स्वरूप श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा। परिषद के अध्यक्ष राजन पाठक ने ठाकुरजी की आरती उतारी। परिषद के संरक्षक राकेश तिवारी एडवोकेट के निर्देशन में परिषद के पदाधिकारियों, युवा समिति के सदस्यों और कार्यकर्ताओं ने पूरे मनोयोग से व्यवस्थाएं संभालीं।

महोत्सव के दूसरे दिन साय सात बजे विश्राम घाट पर संगीत संध्या एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर संजय चतुर्वेदी ऐल्पाइन, कमल चतुर्वेदी और योगेंद्र चतुर्वेदी,संजय चतुर्वेदी, हरदेव चतुर्वेदी, अप्पू, अनिल चतुर्वेदी पमपम, अमित पाठक और श्याम मोनू,आशीष चतुर्वेदी,श्रीकांत चतुर्वेदी, अमन सरदार, आदर्श चतुर्वेदी,दिलीप चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।



नगर निगम की जनसुनवाई में 16 शिकायतें पहुंचीं



जन सुनवाई के दौरान शिकायत सुनते नगर निगम के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम में मंगलवार को आयोजित संभव (संतुष्टि-समृद्धि) जनसुनवाई में शहर और वृंदावन क्षेत्र से कुल 16 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें टैक्स, जन्म प्रमाण पत्र, पेयजल, सीवर, सफाई और स्ट्रीट लाइट से संबंधित समस्याएं शामिल रहीं। अधिकारियों ने शिकायतों का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को निर्धारित समयसीमा में निस्तारण के निर्देश दिए। दो शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया।

उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री की पहल पर प्रत्येक मंगलवार को संभव कार्यक्रम के तहत जनसुनवाई की जाती है। इसी क्रम में मगलवार को सुबह 10 बजे से भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में महाप्रबंधक जलकल मोहम्मद अनवर ख्वाजा और अधिशासी अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम ने शिकायतें सुनीं। वृंदावन जोन में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, सिटी संभव कार्यक्रम में टैक्स पेयजल, सीवर और सफाई की समस्याएं उठीं, दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण

जोन के जनरल गंज कार्यालय में अवर अभियंता जलकल अजय कुमार ने जनसुनवाई की।

भूतेश्वर जोन में कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें तीन टैक्स, एक जन्म प्रमाण पत्र, एक जलकल, तीन सफाई और दो स्ट्रीट लाइट से संबंधित थीं। इनमें एक सफाई और एक लाइट की शिकायत का निस्तारण कर दिया गया। वहीं वृंदावन जोन में छह शिकायतें आईं। इनमें दो पेयजल, दो सीवर और दो स्ट्रीट लाइट से संबंधित थीं। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संतोष कुमार सिंह को मिला 'सजल-ऋषि' का सर्वोच्च अलंकरण



सजल- महोत्सव में सजल-ऋषि सम्मान ग्रहण करते साहित्यकार संतोष कुमार सिंह।

सजल-महोत्सव में देशभर के 200 साहित्यकार जुटे 45 कवियों ने सजलों से बांधा समां

यूनिक समय, मथुरा। हिंदी सजल सर्जना समिति के अष्टम वार्षिक सजल-महोत्सव में मथुरा के वरिष्ठ साहित्यकार इंजी. संतोष कुमार सिंह को 'सजल-ऋषि' की मानद उपाधि से विभूषित किया गया। समिति के सर्वोच्च अलंकरण के रूप में उन्हें सम्मान-पत्र, स्मृति चिन्ह, शॉल, पटका और सम्मान राशि प्रदान की गई। आरसीए गर्ल्स महाविद्यालय में आयोजित समारोह में उनकी 75वीं और 76वीं पुस्तकों का लोकार्पण भी हुआ।

समारोह में श्याम प्रकाश देवपुरा को स्व. ठाकुर कृपाल सिंह पंवार स्मृति 'हिंदी भाषा-रत्न' सम्मान दिया गया। डॉ. अनिल गहलौत, डॉ. जेपी बघेल, एडवोकेट हरवेंद्र सिंह गौर, तामेश्वर प्रसाद उपाध्याय, अरुणा साहू, दिनेश चतुर्वेदी और रमेश सिंघानिया को 'सजल-शिखर' सम्मान मिला। मिलन सिंह मधुर, डॉ. प्रशांत गहलौत, रमेश सिंघानिया और तामेश्वर प्रसाद उपाध्याय को 'भामाशाह' सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. महेश दिवाकर, डॉ. प्रशांत गहलौत, मयंक मणि दुबे, श्रीकृष्ण निर्मल, विवेकानंद विमल, डॉ. सुरेंद्र लाल साहू और डॉ. संतोष कुमार सिंह को 'सजल-भूषण' सम्मान से अलंकृत किया गया। वहीं 34 साहित्यकारों को 'सजल-सेवा रत्न' प्रदान किया गया। महेश कुमार शर्मा, डॉ. अवनीश कुमार सिंह चौहान, उपेंद्र त्रिपाठी, कृष्ण कुमार कनक, जितेंद्र कमल आनंद, दीप चंद्र पांडेय, निशेश जार तृषित, नीरज शास्त्री, डॉ. रमेशचंद्र शर्मा, राजकुमार महोबिया, अनिल मिश्र, संतोष कुमार शर्मा, रामवीर सिंह, रूपेश धनगर, शैलेंद्र वीर सिंह गहलौत, डॉ. शिवम तिवारी, एडवोकेट शैलेश कुमार, शोभा आचार्य, राजबहादुर सिंह हंस, डॉ. सुभाष चंद्रा और प्रो. रंजना कुलश्रेष्ठ सहित अन्य साहित्यकार शामिल रहे।

डॉ. रामेश्वर प्रसाद सारस्वत, जितेंद्र सिंह सेंगर, भावना चौहान, अंजली चौहान, अतुल अग्रवाल, विनोद चूड़ामणि, डॉ. एलएस आचार्य, प्रो. अंजू बाला, पवन कुमार सिकरवार और डॉ. श्याम मनोहर सिरोठिया का अभिनंदन किया गया। अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के प्रो. उमाकांत दीक्षित ने की। मुख्य अतिथि सूरदास ब्रजभाषा अकादमी के निदेशक डॉ. केशव प्रसाद शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. राजीव द्विवेदी, विजय राठौर, डॉ. राजेश श्रीवास्तव, श्याम प्रकाश देवपुरा, डॉ. रामसनेही लाल यायावर और डॉ. अनिल गहलौत शामिल रहे। संचालन रेखा लोढ़ा 'स्मित' और इंजी. संतोष कुमार सिंह ने किया। दूसरे सत्र में 45 सजलकारों ने काव्य पाठ किया। उत्तराखंड, दिल्ली, यूपी, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और झारखंड से करीब 200 साहित्यकारों एवं साहित्यप्रेमियों ने सहभागिता की।

बरारी में कांग्रेस की बैठक में गूंजे जनसमस्याओं के मुद्दे



बैठक में समस्याओं को लेकर मंथन करते जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर।

यूनिक समय, मथुरा। जिला कांग्रेस कमेटी की बरारी स्थित सामुदायिक भवन में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने विभिन्न जनसमस्याओं पर मंथन करते हुए कहा कि एनएच-19 पर बरारी कट खुलवाने की मांग जोर-शोर से उठी। स्थानीय लोगों ने कहा कि कट बंद होने से क्षेत्रीय ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिलाध्यक्ष ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे उठाए। बैठक में धीरज शर्मा, धर्मेंद्र सिंह, केके गौतम, अमित दीक्षित, लक्ष्मी नारायण, बलवीर प्रधान, संजीव सिंह, कैलाश प्रधान, गीता दिवाकर, महेश प्रधान, राजेंद्र कुमार,रवि कुमार, अजय कुमार, मलखान सिंह, प्रीतम सिंह, सुखपाल प्रधान, गीता देवी, विमला देवी, मोहन देवी, जमुना देवी, मनीषा देवी, दीपक दीक्षित सहित कांग्रेस कार्यकर्ता और किसान मौजूद रहे।

जन्मस्थान पर गोपाष्टमी की धूम, पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने किया गौ पूजन



परम विशिष्ट गौशाला में गाय का पूजन करते पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद।

ठाकुर केशवदेव ने गोप स्वरूप में दिए दर्शन गौचारण लीला की सज्जा ने मोहा मन

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर मंगलवार को गोपाष्टमी महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सपरिवार ठाकुरजी के दर्शन किए और जन्मस्थान की परम विशिष्ट गौशाला में वैदिक विधि-विधान से गौपूजन किया। सुप्रसिद्ध कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी भी उपस्थित रहे।

गोपाष्टमी पर ठाकुर श्रीकेशवदेवजी ने गोप स्वरूप में विशेष श्रृंगार के साथ दर्शन दिए। सुबह 6:30 बजे से शयन तक उत्सव दर्शन का क्रम जारी रहा। मंदिर परिसर में गौचारण लीला की मनोहारी सज्जा के जरिए भगवान श्रीकृष्ण की द्वापरकालीन लीलाओं को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया। गौशाला में गायों का पारंपरिक श्रृंगार कर पूजन और भोग अर्पित किया गया। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा और सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने पूर्व राष्ट्रपति का स्वागत-अभिनंदन कर स्मृति चिन्ह भेंट किया।

कपिल शर्मा ने कहा कि गोपाष्टमी भगवान श्रीकृष्ण की गौसेवा और गौचारण लीला का स्मरण कराने वाला ब्रज का महत्वपूर्ण पर्व है। गौवंश का संरक्षण और सेवा धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक विरासत-सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने निराश्रित गौवंश के पालन-पोषण और गौशालाओं के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता जताई। महोत्सव के दौरान जन्मस्थान परिसर भक्तिमय बना रहा और श्रद्धालुओं ने ठाकुरजी के गोप स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

सड़कों पर बढ़ रहा वाहनों का दबाव



यूनिक समय, मथुरा। जनपद की सड़कों पर वाहनों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। दोपहिया और चारपहिया वाहनों की बढ़ती संख्या ने यातायात व्यवस्था के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय (एआरटीओ) के रिकॉर्ड के मुताबिक, जनपद में प्रतिदिन औसतन 15 नए दो और चार पहिया वाहनों का पंजीकरण हो रहा है। नवंबर माह में भी वाहनों की खरीद का सिलसिला तेजी से जारी है। 15 नवंबर तक ही साढ़े चार हजार से अधिक वाहन स्वामियों ने पंजीकरण के लिए आवेदन किया है।

वाहनों की संख्या में लगातार हो रहे इजाफे का असर शहर से लेकर कस्बों

हर दिन 15 नए वाहन हो रहे पंजीकृत

15 नवंबर तक साढ़े चार हजार से अधिक वाहनों के पंजीकरण के लिए आए आवेदन

15 साल पुराने वाहन भी नहीं हो रहे सड़कों से बाहर

तक की सड़कों पर दिखाई देने लगा है। पहले से ही जाम और अव्यवस्थित यातायात से जूझ रहे मथुरा में नए वाहनों की बढ़ती संख्या परेशानी और बढ़ा रही है।

हैरानी की बात यह है कि एक ओर नए वाहन सड़कों पर उतर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर 15 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पुराने वाहन भी सड़कों से हट नहीं रहे हैं। ऐसे में वाहनों की बढ़ती संख्या के बीच सड़कें और यातायात व्यवस्था दोनों दबाव झेल रहे हैं। यदि पुराने वाहनों को हटाने और यातायात प्रबंधन पर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में समस्या और गंभीर हो सकती है।

जनपद में हैं 6.50 लाख से अधिक वाहन

सहायक संभागीय कार्यालय के रिकार्ड में वर्तमान में 6.50 लाख से अधिक दो और चार पहिया वाहन पंजीकृत हैं। वहीं डेढ़ लाख से अधिक वाहन वो हैं, जो 15 वर्ष से अधिक का समय पूरा कर चुके हैं। ये वाहन अभी भी सड़कों पर दौड़ रहे हैं।

पुराने वाहन का मोह नहीं त्याग रहे लोग

बढ़ते सड़क हादसों और प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए केन्द्रीय परिवहन मंत्रालय ने वाहनों की आयु 15 वर्ष निर्धारित की हुई है। आयु पूरी कर चुके वाहन को कबाड़ घोषित कर उसे स्क्रेप कराना अनिवार्य है। बावजूद इसके लोग अपने वाहन का मोह नहीं त्याग पा रहे है। लोग पुराने वाहनों को स्क्रेप न कराकर उसे सड़क पर दौड़ा रहे हैं।

स्क्रेप सेंटर पर नहीं पहुंच रहे वाहन

15 वर्ष की आयु पूरी कर चुके वाहनों को स्क्रेप किए जाने के लिए छाता क्षेत्र में अधिकृत स्क्रेप सेंटर खुला हुआ है। स्क्रेप सेंटर के संचालक मृदुल चतुर्वेदी की मानें तो मथुरा जिले के लोग वाहन स्क्रेप कराने में रूचि नहीं दिखा रहे हैं। सेंटर पर एक वर्ष में करीब 150 वाहन ही स्क्रेप के लिए पहुंचते हैं, जबकि इसके विपरीत पड़ोसी राज्य राजस्थान और हरियाणा से हर वर्ष 400 से 500 वाहन स्क्रेप के लिए पहुंचते हैं।



वीआईपी गैंग के शार्प शूटर को पांच मुकदमों में सात साल की सजा

लाल-नीली बत्ती लगी गाड़ी से हाईवे पर करता था लूटपाट, अदालत ने 23,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया



वीआईपी गैंग का सदस्य शेरखान।

यूनिक समय, मथुरा। वाहन पर लाल-नीली बत्ती लगाकर राजमार्गों पर लूटपाट की वारदातों को अंजाम देने वाले कुख्यात वीआईपी गैंग के सदस्य को अदालत ने सात सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।

एडीजे तृतीय राजेश पाराशर की अदालत ने पुलिस पर हमला करने से जुड़े पांच मुकदमों में दोषी शेरखान को यह सजा सुनाई। अदालत ने उस पर कुल 23,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। शासन की ओर से मुकदमों की पैरवी सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता भगत सिंह आर्य ने की। उन्होंने बताया कि शेरखान पुत्र इस्लाम निवासी ग्राम विशंभरा, थाना शेरगढ़, कुख्यात साहुन सल्ली गैंग का शार्प शूटर है। यह गैंग वीआईपी गैंग के नाम से भी जाना जाता है। गैंग के सदस्य वाहनों पर लाल-नीली बत्ती लगाकर राजमार्गों पर चलते थे और पुलिस या अन्य लोगों को भ्रमित कर लूटपाट की वारदातों को अंजाम देते थे। एडीजीसी के अनुसार, शेरखान के खिलाफ दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों में लूटपाट, डकैती और पुलिस पर हमला करने जैसे कई संगीन मामले दर्ज हैं। वह 20 दिसंबर 2016 से जेल में बंद है। पांच मुकदमों में सजा सुनाई गई सभी सजाएं साथ साथ चलेंगी।

अछनेरा स्टेशन पर मिला ई-रिक्शा चालक का शव

यूनिक समय, मथुरा। अछनेरा रेलवे स्टेशन पर ई-रिक्शा चालक का खून से लथपथ शव मिला। परिजन ने उसकी हत्या कर शव प्लेटफार्म पर फैंकने का आरोप लगाया है। जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

नगला कैरई थाना किरावली निवासी 40 वर्षीय जसवंत पुत्र कमल सिंह मथुरा में ई-रिक्शा चलाता था। सोमवार की शाम उसने परिजन को फोन कर बताया कि वह अछनेरा स्टेशन पर है। इसके बाद वह देर रात तक घर नहीं पहुंचा तो परिजनों को चिंता हुई। परिजन उसकी तलाश करते रहे। मंगलवार की तड़के जीआरपी थाने से जसवंत के बड़े भाई नरेन्द्र सिंह के पास फोन पहुंचा कि जसवंत का शव अछनेरा स्टेशन पर पड़ा है। परिजन तत्काल अछनेरा थाने पहुंचे। जीआरपी

परिजन ने जताया हत्या करने का आरोप

जीआरपी ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

ने शव कब्जे में कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नरेन्द्र सिंह ने बताया कि उसका भाई मथुरा में ई-रिक्शा चलाता था। उसका खून से लथपथ शव अछनेरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर पड़ा मिला। उसके चेहरे, हाथ और पांव पर चोट के गहरे निशान थे। भाई ने साथी ई-रिक्शा चालकों पर हत्या कर शव प्लेटफार्म पर फैंकने का आरोप लगाया है।

जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि अछनेरा स्टेशन अधीक्षक की सूचना पर शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। अछनेरा का खेड़ा साधन आगरा फोर्ट जीआरपी थाने के अधिकार क्षेत्र में आता है। मौत कैसे हुई है, इसका पता पोस्टमार्टम के बाद चलेगा। मामले की जांच आगरा फोर्ट जीआरपी थाने द्वारा की जाएगी।

ट्रेनों में चोरी करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। ट्रेनों में यात्रियों का सामान चोरी करने वाले को जीआरपी की विशेष चेकिंग टीम ने गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से यात्री से चोरी किया मोबाइल फोन ओर नकदी बरामद हुई है। ट्रेनों में आपराधिक वारदातों की रोकथाम के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर विशेष चेकिंग टीम का गठन किया है। टीम मंगलवार की सुबह जीआरपी थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह के निर्देशन में प्लेटफार्म संख्या एक पर चेकिंग कर रही थी। टीम ने शक के आधार पर आरआरआई केबिन के पास से एक संदिग्ध को पकड़ कर उसकी तलाशी ली। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और 2240 रुपये बरामद हुए। उसने अपना नाम ओमकार पुत्र प्रकाश निवासी ग्राम नन्दपुर थाना किशनी जिला मैनपुरी बताया। उसने बताया कि मोबाइल फोन और नकदी उसने सफर के दौरान यात्री के पास से चोरी की है। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि बरामद मोबाइल फोन के चोरी होने की रिपोर्ट थाने में दर्ज है। विधिक कार्रवाई के बाद ओमकार को न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

खाई में पलटा मजदूरों से भरा टेंपो, नौ घायल

अड़ींग नहर के पास हुआ हादसा, चार की हलात गंभीर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-गोवर्धन मार्ग पर अड़ींग नहर के पास मंगलवार सुबह मजदूरों से भरा टेंपो सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे में महिला और पुरुष समेत नौ मजदूर घायल हो गए, जिनमें चार की हालत गंभीर है। सूचना पर पहुंची अड़ींग पुलिस ने एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से घायलों को गोवर्धन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब नौ बजे टेंपो मजदूरों और उनके सामान को लेकर मथुरा से गोवर्धन जा रहा था। नहर के पास अचानक टेंपो चालक के नियंत्रण से बाहर हो गया और नहर के पास सड़क किनारे गहरी खाई में पलट गया। सभी घायल मध्य प्रदेश के बताए गए है, जो ठेकेदार के पास मजदूरी कर रहे थे।

चार गंभीर घायलों को भेजा हायर सेंटर

हादसे में मध्य प्रदेश निवासी 35 वर्षीय बाबू, 40 वर्षीय रजुआ, 23 वर्षीय पार्वती और 21 वर्षीय हरगोविंद की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से हायर सेंटर रैफर कर दिया गया। वहीं 28 वर्षीय दीपक, 19 वर्षीय करण, 32 वर्षीय गोविंददास, 17 वर्षीय आशिक और 36 वर्षीय नगीना का गोवर्धन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है।

जैंत में परिवार पर हमला महिला समेत चार घायल

यूनिक समय, मथुरा। जैंत थाना क्षेत्र के धौरेरा गांव में रंजिश के चलते एक परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। सीमा ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि 15 नवंबर 2026 की रात करीब आठ बजे राजेश, रतन सिंह, सुभाष, सतेन्द्र और रंजीत ने उनके पति विनोद और बेटों दीपक व सौरव के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की। आरोपियों ने टांचिया और चाकू से हमला किया। बीच-बचाव करने पर सीमा को भी चोटें आईं। जाते समय आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़िता ने कार्रवाई की मांग की है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।



गोपाष्टमी पर परिक्रमा मार्ग में राधे-राधे की गूंज, भक्ति में डूबे श्रद्धालु



मंगलवार को शहर में श्रद्धा और भाव के साथ भक्ति का दृश्य दिखा। श्रद्धालुओं ने राधे- राधे के साथ परिक्रमा लगाई। गोपाष्टमी पर मथुरा की परिक्रमा लगाते परिक्रमार्थी।

परिक्रमार्थियों की भीड़ से शहर में लगा जाम



मंगलवार को भूतेश्वर के पास लगे जाम से निकलते परिक्रमार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में गोपाष्टमी पर मंगलवार को मथुरा और वृंदावन की परिक्रमा में आस्था और श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। हाथों में माला और मुख पर राधे-राधे का नाम लिए भक्त भक्ति के रंग में सराबोर होकर आगे बढ़ते नजर आए। परिक्रमा मार्ग पर गूंजते जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

मथुरा सहित हरियाणा, राजस्थान और अन्य प्रांतों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कान्हा की नगरी पहुंचे। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ परिक्रमा लगाई। कोई पैदल तो कोई दंडवती परिक्रमा करता नजर आया। जगह-जगह श्रद्धालु विश्राम करते और भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़ते रहे। परिक्रमा मार्ग पर राधे-राधे और बांके बिहारी के जयकारों से माहौल गूंजता रहा। श्रद्धालुओं का कहना था कि गोपाष्टमी पर ब्रज की परिक्रमा करना उनके लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन कान्हा की नगरी में आकर परिक्रमा लगाने से मन को सुकून और आत्मिक शांति मिलती है। कई श्रद्धालु परिवार के साथ पहुंचे तो अनेक ने मित्रों और परिचितों के साथ परिक्रमा पूरी की। सुबह से लेकर दिनभर परिक्रमा मार्ग पर भक्तों की आवाजाही बनी रही। गोपाष्टमी पर उमड़ी भीड़ ने एक बार फिर ब्रज की धार्मिक और आध्यात्मिक महत्ता को जीवंत कर दिया।

गोपाष्टमी पर मंगलवार को मथुरा और वृंदावन में परिक्रमा लगाने पहुंचे श्रद्धालुओं की भीड़ ने शहर की यातायात व्यवस्था की पोल खोल दी। सुबह से ही प्रमुख मार्गों और चौराहों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई स्थानों पर जाम के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यातायात सुचारु कराने में पुलिसकर्मियों के पसीने छूटते नजर आए।मथुरा और वृंदावन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से सड़कों पर वाहनों के साथ पैदल चलने वालों का दबाव भी बढ़ गया। कई प्रमुख मार्गों पर वाहन रेंगते नजर आए। जाम में स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आए श्रद्धालु भी फंसे रहे।

कल आंवला नवमी पर मथुरा-वृंदावन में उमड़ेगा श्रद्धालुओं का सैलाब

यूनिक समय, मथुरा। आंवला नवमी पर बुधवार को धर्मनगरी मथुरा और वृंदावन में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने की संभावना है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने के साथ मथुरा और वृंदावन की परिक्रमा लगाएंगे। भीड़ के चलते शहर की सड़कों और प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ना तय है। ऐसे में लोगों को जगह-जगह जाम की समस्या से जूझना पड़ सकता है। आंवला नवमी पर मथुरा के मंदिरों में दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो जाएगा। वहीं वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर सहित अन्य प्रमुख मंदिरों में भी भक्तों की भीड़ उमड़ेगी। परिक्रमा मार्ग से लेकर प्रमुख बाजारों तक दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहने की संभावना है। इसके चलते शहर के प्रमुख चौराहों और संपर्क मार्गों पर भी यातायात प्रभावित हो सकता है। बुधवार को जरूरी काम से घर से निकलने वाले लोग समय का विशेष ध्यान रखें। संभव हो तो सुबह जल्दी निकलें और भीड़भाड़ वाले मार्गों से बचें।

श्रद्धालुओं के मुख से

बल्लभगढ़ से आईं ज्योति ने बताया कि वह हर साल गोपाष्टमी पर परिक्रमा लगाने मथुरा आती हैं। कान्हा की कृपा ऐसी है कि बिना मांगे ही सब कुछ मिल जाता है। उनके लिए परिक्रमा भगवान के प्रति अटूट विश्वास और श्रद्धा प्रकट करने का अवसर है।



बल्लभगढ़ की धर्मवती देवी ने बताया कि उन्होंने छटीकरा से परिक्रमा शुरू की है। कान्हा की नगरी का भक्तिभाव ही अलग है। यहां कई घंटे भगवान की भक्ति में बिताने और मन को शांति देने का अवसर मिलता है।



पहली बार परिक्रमा लगाने पहुंचीं रिमझिम यहां का माहौल और श्रद्धालुओं का उत्साह देखकर अभिभूत नजर आईं। उसका कहना था कि यहां पग- पग्र पर श्रद्धा और आस्था का भाव दिख रहा है, जिससे मन को शांति मिल रही है।



कल्पना शर्मा ने बताया कि वह दो बार से ब्रज की परिक्रमा लगा रही हैं। इससे मन को सुकून और आत्मिक शांति मिलती है। परिक्रमा से पुण्य तो मिलता है ही, साथ ही वातावरण से जुड़ने का मौका मिलता है।



होडल से आईं भावना ने कहा कि भगवान ने मनुष्य का जन्म दिया है तो समय-समय पर उनका स्मरण भी करना चाहिए। जीवन की व्यस्तताओं के बीच भक्ति के लिए समय निकालना जरूरी है। ब्रज में परिक्रमा का अपना अलग ही महत्व है।



पहली बार परिक्रमा लगाने पहुंचीं कनिका ने बताया कि यहां आकर ऐसा लग रहा है, जैसे बस कान्हा की भक्ति में ही लीन हो जाएं। गोपाष्टमी पर ब्रज की परिक्रमा उनके लिए महज धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और कान्हा के प्रति समर्पण का माध्यम है।



(श्री अग्रवाल शिक्षा मण्डल 'रजि.' मथुरा द्वारा संचालित)
ब्रज चिकित्सा संस्थान
स्थापना वर्ष : 1978 — दरेसी रोड, मथुरा

प्रातःकालीन ओ.पी.डी. — विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा

कंसल्टेंट फिजीशियन	नवजात शिशु एवं बाल रोग विभाग	कंसल्टेंट फिजीशियन
डॉ. हरेश कुमार रावत	डॉ. रासबिहारी पाण्डेय	डॉ. अंजलि चौधरी
MBBS, MD (Internal Medicine) पूर्व चिकित्सक - LNJP एवं सफदरजंग हॉस्पिटल नई दिल्ली हृदय, वक्ष, गुर्दा, मस्तिष्क एवं पेट रोग विशेषज्ञ	MBBS, MD (बाल रोग), गोल्ड मेडलिस्ट कंसल्टेंट नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ नवजात शिशु विज्ञान में फैलोशिप (NNF) Ex-Consultant - Cloudnine Hospital (Noida)	MBBS, MD (कंसल्टेंट फिजिशियन) डायबिटोलॉजिस्ट (CPCDM - RSSDI) Ex-Resident, RML Hospital, Delhi Ex-Resident, Sanjay Gandhi Hospital, Delhi
सुबह 10:00 से दोपहर 2:00 बजे तक	सुबह 9:30 से दोपहर 12:00 बजे तक	सुबह 11:00 से दोपहर 1:00 बजे तक
हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग	स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग	स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
डॉ. सौरभ बंसल	डॉ. एकता धतानी सिंह	डॉ. नम्रता सिंह
MBBS, MS (ऑर्थो) MIOA वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ जोड़ प्रत्यारोपण एवं आर्थ्रोस्कोपी के क्षेत्र में 15 वर्षों से भी ज़्यादा अनुभवी Ex-HOD, नयति हॉस्पिटल, मथुरा	MBBS, DGO स्त्री एवं प्रसूति रोग एवं बांझपन रोग विशेषज्ञ सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार	MBBS, MS स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार
सुबह 11:00 से दोपहर 2:00 बजे तक	सुबह 11:00 से दोपहर 1:00 बजे तक	सुबह 11:00 से दोपहर 1:00 बजे तक
दंत रोग विभाग	नाक, कान, गला रोग रोग विभाग	नेत्र रोग विभाग
डॉ. शिल्पी मंगला	डॉ. अभिषेक जोशी	डॉ. विशाल उप्पल
BDS, MIDA दंत रोग विशेषज्ञ	MS नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन	MBBS, DOMS नेत्र रोग विशेषज्ञ
सुबह 11:00 से दोपहर 1:00 बजे तक	सुबह 10:00 से 11:30 बजे तक	सुबह 11:00 से दोपहर 12:30 बजे तक
होम्योपैथिक विभाग	फिजियोथेरेपिस्ट विभाग	OPD परामर्श शुल्क
डॉ. पार्थ भार्गव	डॉ. रजनी भल्ला	प्रातःकालीन ओ.पी.डी. ₹100/-
BHMS होम्योपैथी होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति सुधवार अवकाश	BPT, MIAP कंसल्टेंट फिजियोथेरेपिस्ट	सायंकालीन ओ.पी.डी. ₹150/-
सुबह 11:00 से दोपहर 2:00 बजे तक	सुबह 9:00 से शाम 5:00 बजे तक	

सायंकालीन ओ.पी.डी. — विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा

जनरल फिजिशियन	नाक, कान, गला रोग रोग विभाग	हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग
डॉ. अखिल गुप्ता	डॉ. प्रीति बंसल	डॉ. सौरभ बंसल
MBBS, MD (मेडिसिन) BHU (वाराणसी) हृदय, वक्ष, गुर्दा एवं पेट रोग विशेषज्ञ Fellowship in Echocardiography (2D Echo) Ex. Senior Resident Safdarjung Hospital, New Delhi SMS Medical College, Jaipur Medanta Hospital, Gurugram	MBBS (गोल्ड मेडलिस्ट), MS (ENT) नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन सोमवार से शुक्रवार	MBBS, MS (ऑर्थो) MIOA वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ जोड़ प्रत्यारोपण एवं आर्थ्रोस्कोपी के क्षेत्र में 15 वर्षों से भी ज़्यादा अनुभवी Ex-HOD, नयति हॉस्पिटल, मथुरा
शाम 4:00 से 7:00 बजे तक	शाम 4:00 से 6:00 बजे तक	शाम 5:00 से 6:00 बजे तक
	होम्योपैथिक विभाग: डॉ. पार्थ भार्गव, BHMS, होम्योपैथी होम्योपैथिक फिजीशियन, सोमवार से शुक्रवार, शाम 4:00 से 6:00 बजे तक	सायंकालीन ओ.पी.डी. समय: शाम 4:00 बजे से 7:00 बजे तक, 2 नवम्बर 2026 से प्रारम्भ (सोमवार से शनिवार)

उपलब्ध सुविधायें (किफायती दरों पर)
पैथोलॉजी (जाँच सुविधायें) | डिजिटल एक्स-रे एवं ECG | अल्ट्रासाउण्ड (USG) | डायलिसिस सुविधा
7300712610 रविवार ओ.पी.डी. अवकाश
अनुभवी चिकित्सक ◆ आधुनिक सुविधायें ◆ समर्पित सेवा ◆ आपके परिवार के लिए भरोसेमंद

सास को सिर पर बिठाकर परिक्रमा लगा रही बहू बनी आकर्षण का केंद्र



प्लास्टिक के तसला में सास को बैठाकर परिक्रमा लगाती बहू।

परिक्रमा मार्ग पर दिखी रिश्तों के सम्मान और प्रेम की अनूठी तस्वीर

यूनिक समय, मथुरा। गोपाष्टमी पर मथुरा-वृंदावन की परिक्रमा के दौरान भक्ति के साथ रिश्तों की खूबसूरती की भी अनूठी तस्वीर देखने को मिली। परिक्रमा मार्ग पर एक बहू अपनी सास को सिर पर बिठाकर परिक्रमा लगाती नजर आई। इस दृश्य को देखकर वहां से गुजर रहे श्रद्धालु भी ठहर गए। हर कोई बहू के इस अनूठे अंदाज और सास के प्रति सम्मान की चर्चा करता दिखाई दिया। आमतौर पर सास-बहू के रिश्तों को लेकर तरह-तरह की धारणाएं सुनने को मिलती हैं, लेकिन परिक्रमा मार्ग पर दिखे इस दृश्य ने रिश्तों की मिठास और आपसी सम्मान का संदेश दिया। श्रद्धालुओं के बीच चर्चा रही कि बहू ने अपनी सास को सिर पर बिठाकर उनके प्रति सम्मान और प्रेम की अनूठी मिसाल पेश की।

वायरल वीडियो से

ट्रेन में टीटीई और जवान की जुबानी जंग से मचा हंगामा



वायरल वीडियो में दिखी दोनों के बीच नोकझोंक

सेना के जवान पर अभद्र भाषा इस्तेमाल करने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। ट्रेन में सफर के दौरान टिकट जांच तो आपने खूब देखी होगी, लेकिन इस बार टिकट के साथ वर्दी का रुतबा भी चर्चा में आ गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में लोकल ट्रेन के अंदर टिकट परीक्षक (टीटीई) और सेना के एक जवान के बीच तीखी बहस होती दिखाई दे रही है। दोनों के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि डिब्बे का माहौल गर्म हो गया।

वीडियो में दोनों एक-दूसरे से बहस करते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर शुरू हुआ विवाद बढ़ गया। आरोप है कि जवान ने टीटीई के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, जिसके बाद रेलवे कर्मचारी ने भी विरोध जताया। हालांकि, विवाद की असली वजह और दोनों पक्षों का पूरा पक्ष अभी स्पष्ट नहीं है।

इस वायरल वीडियो ने एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन और व्यवहार को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। सेना हो या रेलवे, दोनों ही संस्थानों की पहचान अनुशासन और जिम्मेदारी से है। ऐसे में वर्दी का सम्मान बनाए रखने की जिम्मेदारी भी दोनों पक्षों की है। आखिरकार, सम्मान पद या वर्दी से नहीं, बल्कि व्यवहार से मिलता है।

गोपाष्टमी पर सीएम योगी ने किया गोमाता का पूजन, छप्पन भोग अर्पित



गोपाष्टमी पर गो ग्राम परखम स्थित पंडित दीनदयाल कामधेनु गौशाला में गाय का पूजन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

यूनिक समय, मथुरा। गोपाष्टमी पर मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फरह क्षेत्र के गौ ग्राम परखम स्थित दीनदयाल गौविज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र परिसर की श्री गिरिराज गौशाला में गोमाता का विधि-विधान से पूजन किया। इस अवसर पर गोमाता को छप्पन भोग अर्पित किया गया।

पूजन कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक चंद्रशेखर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह और कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने

गोबर से बनी ईंटों की गुणवत्ता सुधारने और गौमय कौशल प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के दिए सुझाव

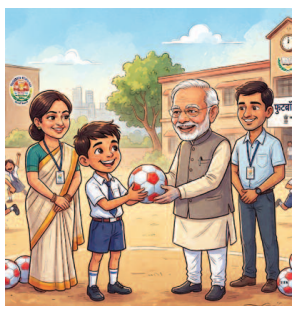
दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों से संवाद कर गोवंश के स्वास्थ्य-देखभाल के संबंध में सुझाव दिए। उन्होंने गौ आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनकी उपयोगिता की जानकारी ली। गोबर से निर्मित ईंटों की गुणवत्ता में सुधार करने के सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री ने परिसर में संचालित विभिन्न प्रकल्पों और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मारक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। केंद्र की व्यवस्थाओं और गतिविधियों की जानकारी लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा, मंत्री हरिशंकर शर्मा, नरेंद्र पाठक, डॉ. कैलाश सारस्वत, अभिषेक राठी, प्रबंधक ब्रजेश प्रताप सिंह, कमल कौशिक, अनुज वर्मा, मोहन सिंह और ऋषभ दीक्षित सहित आदि उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चों के हाथों में पहुंचेगी फीफा की फुटबॉल, मैदान में दिखाएंगे दमखम

यूनिक समय, मथुरा। जिले के स्कूली बच्चे अब फुटबॉल के मैदान में भी अपना हुनर दिखा सकेंगे। पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों में फुटबॉल के प्रति रुचि जगाने के लिए जिले के पात्र विद्यालयों को फीफा की फुटबॉल वितरित की जाएंगी। इसके लिए नवोदय विद्यालय को जिले का नोडल केंद्र बनाया गया है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) के सहयोग से संचालित फुटबॉल फॉर स्कूल कार्यक्रम के तहत वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें



विद्यालयों को आवंटित फुटबॉल सौंपी जाएंगी। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को खेलों से जोड़कर उनकी प्रतिभा निखारना और स्कूलों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। इससे विद्यार्थियों में अनुशासन,

फुटबॉल फॉर स्कूल कार्यक्रम के तहत पात्र विद्यालयों को मिलेंगी फुटबॉल, हर स्कूल से शिक्षक और एक विद्यार्थी को बुलाया

टीम भावना, आपसी सहयोग और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में भी मदद मिलेगी।

कार्यक्रम के लिए जिले के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को आमंत्रण पत्र भेजे गए हैं। प्रत्येक विद्यालय से एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक और एक विद्यार्थी को बुलाया गया है। दोनों प्रतिनिधि अपने विद्यालय के लिए आवंटित फुटबॉल प्राप्त करेंगे।

करीब 90 मिनट के आयोजन में अतिथियों का स्वागत, दीप प्रज्ज्वलन, विद्यार्थियों के अनुभव साझा करने और मुख्य अतिथि द्वारा फुटबॉल वितरण की प्रक्रिया होगी। इसके साथ ही फीफा की फुटबॉल से प्रतीकात्मक रूप से मैच की शुरुआत भी की जाएगी। इस पहल से जिले के विद्यालयों में खेल गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

कान्हा की नगरी से भाजपा का चुनावी शंखनाद

'राधे–राधे कमल खिला दे' का उद्घोष

पंकज चौधरी ने जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को दी नसीहत लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कान्हा की नगरी मथुरा से चुनावी रणनीति का शंखनाद किया। मथुरा में आयोजित भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक में संगठन को मजबूत करने, चुनावी रणनीति और कार्यकर्ताओं को नई दिशा देने पर मंथन हुआ। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 'राधे–राधे कमल खिला दे' का उद्घोष कर चुनावी माहौल बनाने का संदेश दिया।

पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा तीसरी बार भी प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चार वर्गों महिला, युवा, किसान और गरीब को केंद्र में रखकर सरकार काम करेगी। उन्होंने पार्टी नेताओं को नसीहत देते हुए कहा कि चुनाव के समय जिम्मेदार पदों पर बैठे नेता पार्टी हितों के खिलाफ कोई काम न करें। किसी भी तरह की गलती बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अनुशासनहीनता पर कड़ी कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि सभी वर्गों के हित में काम किए गए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने तथा सपा सरकार के कार्यकाल की स्थिति से भी लोगों को अवगत कराने का आह्वान किया।

रमेश बाबा के संकल्पों को पूरा करने में साथ देगी सरकार: योगी

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पद्मश्री ब्रह्मलीन संत रमेश बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका पूरा जीवन गौ–सेवा, गौ-रक्षा और लोककल्याण के लिए समर्पित रहा। उनके संकल्पों को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने श्री माताजी गौशाला ट्रस्ट परिसर में 12 इकाइयों वाले निःशुल्क डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि श्री माताजी गौशाला ट्रस्ट के प्रयासों से कभी सूखी पहाड़ियों वाला यह क्षेत्र आज हरियाली और आध्यात्मिकता के कारण विशिष्ट तीर्थस्थल बन गया है। उन्होंने डायलिसिस केंद्र की स्थापना को लोककल्याण की महत्वपूर्ण पहल बताया। मुख्यमंत्री ने संत रमेश बाबा के शिष्यों और अनुयायियों से गौ–सेवा, गौ–रक्षा एवं गौ–संवर्धन के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार इन सेवा कार्यों में पूरा सहयोग करेगी। इस अवसर पर गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी और तिजारा विधायक बालक नाथ उपस्थित रहे।

चेक बाउंस के लंबित मामलों के निस्तारण को 21 को विशेष लोक अदालत

यूनिक समय, मथुरा। चेक बाउंस से जुड़े लंबित मुकदमों के त्वरित निस्तारण के लिए 21 नवंबर को जनपद न्यायालय में विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में होने वाली इस लोक अदालत में परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) की धारा 138 के मामलों का आपसी सुलह और समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा-निर्देशों के तहत

एनआई एक्ट की धारा 138 के मुकदमों में सुलह–समझौते से होगा समाधान

जनपद न्यायाधीश विकास कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को सुबह 10 बजे से विशेष लोक अदालत शुरू होगी।

उन्होंने संबंधित वादकारियों से अपील की है कि वे अपने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत में उपस्थित होकर सुलह-समझौते के माध्यम से विवाद का समाधान कराएं और इस अवसर का लाभ उठाएं।

दहेज के लिए विवाहिता को घर से निकालने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। दहेज उत्पीड़न और प्रताड़ना का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका विवाह 22 फरवरी 2014 को हिंदू रीति–रिवाज से हुआ था। शादी में मायके पक्ष ने अपनी हैसियत के अनुसार सोने–चांदी के आभूषण, नकदी और अन्य घरेलू सामान दिया था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज की मांग कर उसे प्रताड़ित करने लगे। इस दौरान पीड़िता के दो पुत्र भी हुए। तहरीर के मुताबिक, उसका पति मुंबई में अधिकारी के पद पर कार्यरत रहा और परिवार के साथ वहीं रहता था। आरोप है कि 17 मई 2026 को उसे दहेज की मांग पूरी न होने पर घर से निकाल दिया गया। उसके आभूषण भी ससुराल पक्ष के पास ही हैं। पीड़िता ने पति पर दूसरी शादी करने और उसे परेशान करने का भी आरोप लगाया है। उसने संबंधित ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है

गोपाष्टमी पर हासानंद गौचर भूमि में हुआ गो पूजन



वृंदावन स्थित हासानंद गौशाला में गोपाष्टमी पर गौ पूजन करते स्वामी अनंत वीर दास, जीएलए के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल और अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। गोपाष्टमी का पर्व हासानंद गौचर भूमि में श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। विधि–विधान से गाय का पूजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य लोगों ने सहभागिता कर गोसेवा और गोसंरक्षण के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने की। अक्षय पात्र के स्वामी पूज्य अनंत वीर्यदास ने गौ पालन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर हासानंद गौचर भूमि के कोषाधिकारी रोहित वासवानी, अभिषेक नवल मोटर्स, अभिनव अग्रवाल, डॉ मधुसूदन गुप्ता,डॉ अभिषेक वर्मा, वंदना अग्रवाल, राजेश पारीख, श्रीमती नीलम अग्रवाल, श्रीमती ममता भारद्वाज, जमुना, डॉ मनोज गुप्ता, बाँके लाल शर्मा, डॉ संदीप बंसल, भानेन्द्र शर्मा, डॉ आकाश शर्मा, श्रीमती मधु, मनोज पांडे, विश्व नाथ साहिल सागर आदि उपस्थित थे। संचालन डॉ. अशोक अग्रवाल ने किया।

छात्रा की शिकायत लेकर पहुंचे छात्र नेता से अभद्रता का आरोप

यूनिक समय, वृंदावन। इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल फिलॉसफी (आइओपी) कॉलेज के प्राचार्य प्रो. पीके सारस्वत पर छात्रा और छात्र नेता गौरव कश्यप से अभद्रता करने का आरोप लगा है। छात्रा की शिकायत लेकर कॉलेज पहुंचे लोकतांत्रिक युवा जनसंघ पार्टी और भगत स्टूडेंट फ्रं ट एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष गौरव कश्यप ने प्राचार्य के व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।



गौरव कश्यप के अनुसार, एक छात्रा ने कॉलेज कर्मचारी पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने की शिकायत की थी। इसी मामले में वह छात्रा के साथ प्राचार्य से मिलने पहुंचे थे। आरोप है कि

आइओपी कॉलेज के प्राचार्य पर फटकारने और बाहर निकालने का आरोप, छात्र संगठनों ने जताया विरोध

समस्या सुनने के बजाय प्राचार्य ने छात्राओं को फटकार लगाई और गौरव कश्यप से भी अभद्रता कर बाहर जाने को कहा। गौरव ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याएं उठाना उनका अधिकार है। मामले को लेकर पदाधिकारियों और छात्र–छात्राओं ने विरोध जताते हुए कॉलेज प्रशासन से जवाबदेही तय करने की मांग की। विरोध जताने वालों में सूरज कुंतल, गुरेंद्र जीत सिंह, प्रियांशु सिंह, अखिलेश चौधरी, विनय बंसल, दीपक कुंतल, देवेश कक्कड़, मयंक तिवारी, रामकृष्ण चतुर्वेदी, तान्या चौहान और कोमल सहित अन्य छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

यमुना एक्सप्रेस-वे के बाजना कट पर सीढ़ियां नदारद


सीढ़ियों के अभाव में एक्सप्रेस-वे कट से पाइप पकड़कर उतरता यात्री।

पत्थरों के सहारे उतरने चढ़ने को मजबूर यात्री

बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की जान पर बना रहता है खतरा

प्राधिकरण से पक्की सीढ़ियां और सुरक्षित फुटपाथ बनाने की मांग

यूनिक समय, बाजना। यमुना एक्सप्रेस-वे के बाजना कट पर यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही के इंतजाम नहीं होना हादसों को दावत दे रहा है। एक्सप्रेस-वे से नीचे उतरने और ऊपर चढ़ने के लिए सीढ़ियों की व्यवस्था नहीं है।

ऐसे में यात्रियों को किनारे पड़े बड़े-बड़े पत्थरों के सहारे उंचाई पार करनी पड़ रही है। जान जोखिम में डालकर किया जा रहा यह सफर कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

इस अव्यवस्था का सबसे अधिक खामियाजा बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। सामान लेकर ऊ बड़-खाबड़ और नुकीले पत्थरों पर चढ़ना-उतरना उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। स्थानीय लोगों और यात्रियों के अनुसार, बच्चों और बुजुर्गों को हाथ पकड़कर बड़ी मशक्कत से नीचे उतारना और ऊपर चढ़ाना पड़ता है। जरा सी चूक होने पर पैर फिसलने और गंभीर चोट लगने का खतरा बना रहता है।

बारिश के दौरान पत्थरों पर फिसलन और रात के अंधेरे में रास्ता दिखाई नहीं देने से खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके बावजूद यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए यहां अब तक पक्की सीढ़ियों का इंतजाम नहीं किया गया है। रोजाना इस रास्ते से गुजरने वाले यात्रियों का कहना है कि एक्सप्रेस-वे जैसे महत्वपूर्ण मार्ग पर उतरने-चढ़ने की बुनियादी सुविधा तक उपलब्ध नहीं होना जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

दैनिक यात्रियों और क्षेत्रवासियों ने यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण और स्थानीय प्रशासन से बाजना कट पर जल्द पक्की सीढ़ियों और सुरक्षित फुटपाथ का निर्माण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय जिम्मेदार विभागों को समय रहते सुरक्षा इंतजाम करने चाहिए, ताकि यात्रियों को जान जोखिम में डालकर सफर न करना पड़े।

पिता का साया नहीं पूरे गांव ने थामा हाथ

20 नवंबर को होगी बिटिया की शादी

निर्धन ब्राह्मण परिवार की बेटी के विवाह की जिम्मेदारी उठाने आगे आए ग्रामीण, सक्षम लोगों से सहयोग की अपील

यूनिक समय, कोसीकलां। बेटी की शादी हर पिता का सपना होती है, लेकिन जब बेटी के सिर से पिता का साया उठ जाए और परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा हो तो यह जिम्मेदारी पहाड़ जैसी हो जाती है। ऐसा ही मार्मिक मामला कोसीकलां के निकटवर्ती गांव खरौट से सामने आया है। यहां एक निर्धन ब्राह्मण परिवार की बेटी की शादी 20 नवंबर को होनी तय हुई है। पिता का निधन होने के बाद परिवार के सामने विवाह की व्यवस्था करना बड़ी चुनौती बन गया है।

परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर होने के कारण बेटी के विवाह की तैयारियां कर पाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में गांव के कुछ नेकदिल लोगों ने आगे आकर इंसानियत और सामाजिक एकजुटता की मिसाल पेश की है। ग्रामीणों ने बेटी को अपनी बेटी मानते हुए विवाह में सहयोग करना शुरू कर दिया है। लोग अपनी सामर्थ्य के अनुसार आर्थिक और अन्य जरूरी सहायता दे रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि समाज के सभी लोग थोड़ा-थोड़ा सहयोग करें तो बेटी का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराया जा सकता है। इसी भावना के साथ समाजसेवियों ने नगर के धर्मप्रेमियों, व्यापारियों, समाजसेवियों और सक्षम लोगों से आगे आने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि इस बेटी के नए जीवन की शुरुआत में हर छोटा-बड़ा सहयोग महत्वपूर्ण होगा। पिता की कमी तो पूरी नहीं की जा सकती, लेकिन सामूहिक प्रयास से बेटी के विवाह को खुशियों और सम्मान के साथ संपन्न कराया जा सकता है।

अग्रसेन चौक में तीन लाख की चोरी का दूसरे दिन भी नहीं खुलासा

पुलिस खंगालती रही फुटेज, अब तक कोई नहीं लग सका हाथ

यूनिक समय, कोसीकलां। अग्रसेन चौक स्थित गिरधारी वॉच एंड मोबाइल सेंटर में हुई तीन लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का पुलिस दूसरे दिन भी खुलासा नहीं कर सकी है। पुलिस की टीमें अग्रसेन चौक से लेकर पुराने जीटी रोड तक जगह-जगह लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में ही उलझी रही।

जबकि हकीकत यह है कि पुराने जीटी रोड पर रात-दिन पुलिस की गाड़ियां सायरन बजाती हुई दौड़ती रहती हैं। पुलिस के इस दावे के बावजूद चोरों के मन में पुलिस का जरा भी खौफ नहीं रहा। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तीन शातिर चोर बिना किसी डर-खौफ के दुकान की छत के रास्ते से अंदर घुसे और पूरे दो घंटे तक बेखौफ होकर दुकान के अंदर चोरी की वारदात को अंजाम देते रहे। सामने स्थित अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई फुटेज में साफ दिख रहा है कि चोर कितने आराम से और बिना किसी हड़बड़ी के दुकान में रखा सारा कीमती सामान एक बड़े बोरे और बैग में भरते हैं और फिर जिस रास्ते से आए थे, उसी रास्ते से बिना किसी डर के निकल जाते हैं।

चोर दुकान से करीब तीन लाख रुपये के महंगे मोबाइल, स्मार्ट वॉच और अन्य सामान ले गए।

इस घटना ने पुलिस की रात्रि गश्त व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। सायरन बजाती गाड़ियां तो दौड़ रही हैं, लेकिन जमीन पर सुरक्षा व्यवस्था की पोल इस चोरी ने खोल दी है। घटना के बाद से व्यापारियों में भारी आक्रोश और दहशत का माहौल है। व्यापार मंडल ने जल्द खुलासा न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

संजय अग्रवाल बने सीबीएफसी दिल्ली के सलाहकार पैनल के सदस्य



यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां का नाम अब फिल्मी दुनिया में भी गूंजेगा। नगर के होनहार और प्रतिष्ठित समाजसेवी संजय अग्रवाल को केंद्र सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सेंसर बोर्ड) दिल्ली क्षेत्र के सलाहकार पैनल में सदस्य मनोनीत किया है।

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की अधिसूचना के तहत सीबीएफसी के क्षेत्रीय अधिकारी परमार नवलसंग हेमुभाई ने चार नवंबर को नियुक्ति का आदेश जारी किया है। आदेश के तहत संजय अग्रवाल अगले तीन वर्षों तक इस महत्वपूर्ण पद पर अपनी सेवाएं देंगे। सेंसर बोर्ड का सलाहकार पैनल देश में रिलीज होने वाली फिल्मों को प्रमाणन से पूर्व देखता है।

पैनल के सदस्य सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के तहत फिल्म की विषय-वस्तु पर अपनी राय देते हैं, ताकि समाज, संस्कृति और देशहित के अनुरूप फिल्में दर्शकों तक पहुंच सकें। अब इस अहम भूमिका में कोसीकलां के संजय अग्रवाल भी नजर आएंगे। नियुक्ति की खबर मिलते ही पूरे नगर में खुशी की लहर दौड़ गई। व्यापार मंडल, सामाजिक संगठनों और नगर के प्रबुद्धजनों ने संजय अग्रवाल को बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे कोसीकलां और मथुरा जिले के लिए गौरव की बात है। उनकी इस उपलब्धि से युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी।

श्रीकृष्ण गौशाला की द्वितीय शाखा का हुआ भव्य शुभारंभ

यूनिक समय, कोसीकलां। हाईवे स्थित श्रीकृष्ण गौशाला की द्वितीय शाखा के शुभारंभ के साथ ही कोसीकलां गौ-भक्ति के रंग में रंग गया। वैदिक मंत्रोच्चारण, शंखनाद और गौ-पूजन के बीच गौशाला की नई शाखा का भव्य उद्घाटन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ गौ-माता की पूजा-अर्चना से हुआ। गौशाला के इस अवसर पर ब्रज के संतों का समागम हुआ। महान संत गोरेलाल, गिरि बाबा, मोनी महाराज, प्रेम दास और चेतन दास ने संयुक्त रूप से फीता काटकर द्वितीय शाखा का शुभारंभ किया। अपने आशीर्वचनों में संतों ने कहा कि सनातन धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है।

जिसमें 33 कोटि देवी-देवताओं का वास है, उस गौ-माता की सेवा से बड़ा कोई पुण्य नहीं। उन्होंने कहा कि आज जब गोवंश सड़कों पर दुर्घटना का शिकार हो रहा है, तब श्रीकृष्ण गौशाला द्वारा दूसरी शाखा का शुभारंभ एक पुनीत और प्रेरणादायी कार्य है। संतों ने नगरवासियों से अपील की कि वे अपने जीवन के शुभ अवसरों जन्मदिन, शादी की सालगिरह पर गौशाला आकर गौ-सेवा अवश्य करें।

गौशाला समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नगर में निराश्रित और बीमार गौवंश की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसी को देखते हुए हाईवे पर दूसरी शाखा शुरू की गई है, जहां बेसहारा गौवंश के लिए हरे चारे, स्वच्छ पानी, पक्के शेड और पशु चिकित्सक की बेहतर व्यवस्था की गई है।

इस अवसर पर समिति के धर्मवीर अग्रवाल, अवधेश गुप्ता, शैलू जायसवाल सहित समस्त कार्यकारिणी, नगर के गणमान्य नागरिक, व्यापारी वर्ग, मातृशक्ति और बड़ी संख्या में गौ-भक्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

बहन की शादी में जा रहे युवक की बाइक खड़े ट्रॉला से टकराई, गंभीर घायल

यूनिक समय, कोसीकलां। गुरुग्राम से फिरोजाबाद बहन की शादी में शामिल होने जा रहे युवक की बाइक पशुपति फैक्ट्री के सामने हादसे का शिकार हो गई। सड़क किनारे खड़े ट्रॉला से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई, जिससे बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल युवक की पहचान बादल निवासी फिरोजाबाद के रूप में हुई है। बादल गुरुग्राम में काम करता है। उसकी बहन की शादी 20 नवंबर को होनी है, जिसमें शामिल होने के लिए वह गुरुग्राम से बाइक द्वारा फिरोजाबाद जा रहा था। जैसे ही वह हाईवे कोसीकलां पशुपति फैक्ट्री के सामने पहुंचा, सड़क पर खड़े ट्रॉला से उसकी बाइक टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना के करीब आधा घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक राहगीरों ने घायल बादल को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करा दिया था। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए और घायल के उपचार में जुटे हैं।

कोसीकलां में बारूद के ढेर पर हो रहीं शादियां



एक चिंगारी से मच सकता है हा-हाकार जिम्मेदार विभाग मौन

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां में शादियां अब खुशियों की नहीं, बल्कि हादसों की दावत बन गई हैं। शादी सीजन शुरू होते ही हाईवे किनारे सजे आलीशान मैरिज होम मौत के पंडाल में तब्दील हो गए हैं। लाखों रुपये ऐंठने वाले इन मैरिज होमों में सुरक्षा के नाम पर एक अदद अग्निशमन यंत्र का सिलेंडर तक नहीं है। खुलेआम फायर विभाग और प्रशासन के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और जिम्मेदार अफसर आंखें मूंदे बैठे हैं।

हाईवे और सर्विस रोड पर बने आधा दर्जन से अधिक मैरिज होमों में एक शादी का 80 हजार से दो लाख रुपये तक वसूला जा रहा है। अंदर चकाचौंध, बाहर लाचारी। किसी भी पंडाल में फायर एक्सटिंग्विशर, वाटर हाइड्रेंट, फायर अलार्म, इमरजेंसी एग्जिट जैसा कुछ भी नहीं है। रसोई में एक ही जगह पर 20-20 गैस सिलेंडर, खुले में धधकती भट्ठियां और ऊपर ज्वलनशील थर्माकोल-प्लास्टिक की सजावट।

एक छोटी सी चिंगारी पूरे पंडाल को श्मशान बना सकती है। इन मैरिज होमों में पार्किंग के नाम पर एक इंच जमीन नहीं है। बारात आते ही 100 से अधिक कारें, बसें और बाइकें सर्विस रोड और नेशनल हाईवे पर ही खड़ी कर दी जाती हैं। पूरा हाईवे जाम हो जाता है। एंबुलेंस तक फंस जाती हैं। बुधवार रात पशुपति फैक्ट्री के सामने सड़क पर खड़े ट्रॉले से टकराकर गुरुग्राम से बहन की शादी में जा रहा युवक बादल गंभीर घायल हो गया। यह हादसा प्रशासन के मुंह पर तमाचा है।

शासनादेश के अनुसार, हर मैरिज होम में चार से छह फायर एक्सटिंग्विशर, रेत की बाल्टियां, फायर अलार्म, दो बड़े इमरजेंसी निकास द्वार, फायर रिटार्डेंट पंडाल, अलग अर्थिंग वाले बिजली बोर्ड, 50 प्रतिशत क्षमता की इनसाइड पार्किंग और फायर विभाग की एनओसी होनी चाहिए, लेकिन कोसीकलां में इनमें से एक भी नियम का पालन नहीं हो रहा।

सबसे बड़ा सवाल अगर शादी के दौरान सिलेंडर फटा या शॉर्ट सर्किट से आग लगी तो सैकड़ों बारातियों की मौत का जिम्मेदार कौन होगा। मैरिज होम संचालक या फिर जेब भरकर आंखें मूंदने वाला विभाग। नगरवासियों में भारी आक्रोश है। लोगों ने डीएम मथुरा और मुख्य अग्निशमन अधिकारी से मांग की है कि शादी सीजन में किसी बड़ी अनहोनी से पहले सभी मैरिज होमों की जांच कराकर बिना मानक वाले मौत के पंडालों को तत्काल सील किया जाए और संचालकों पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए।

सुविचार

वक्त बदलता है
हालात बदलते हैं
लेकिन अच्छे कर्मों
की खुशबू हमेशा
दिलों में रहती है।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	06:05-07:06 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष	
नक्षत्र	शतभिषा	04:34-06:10 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:42 AM	चन्द्रोदय	01:20 PM	
सूर्यास्त		5:26 PM	चंद्रास्त	12:06 AM	
सूर्य राशि		तुला राशि	चंद्र	कुंभ राशि	
शुभ मुहूर्त		11:19AM –12:02 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:54-05:47	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		12:04 PM: 01:25 PM	वार	बुधवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

18 नवंबर को मनाई जाएगी अक्षय नवमी

आंवले के पेड़ के नीचे भोजन करने की है खास परंपरा



18 नवंबर सुबह से शुरू होगी नवमी तिथि, भगवान विष्णु और आंवले के वृक्ष की पूजा का है विशेष महत्व

सुबह 6:46 से दोपहर 12:06 बजे तक पूजा का मुहूर्त

आंवले के पेड़ के नीचे भोजन करने की परंपरा

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को अक्षय नवमी के रूप में मनाया जाता है। इसे आंवला नवमी भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन सतयुग का आरंभ हुआ था। यही कारण है कि इस तिथि का विशेष धार्मिक महत्व माना गया है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा, आंवले के वृक्ष की आराधना और दान–पुण्य करने की परंपरा है। मान्यता है कि अक्षय नवमी पर किए गए शुभ कार्यों और दान का पुण्य कभी समाप्त नहीं होता। इस बार नवमी तिथि को लेकर तारीख का असमंजस है, लेकिन उदया तिथि और पूजा के मुहूर्त के आधार पर 19 नवंबर को अक्षय नवमी मनाई जाएगी।

वैदिक पंचांग के अनुसार नवमी तिथि 18 नवंबर को सुबह 6 बजकर 4 मिनट पर शुरू होगी। इसका समापन 19 नवंबर को सुबह 7 बजकर 5 मिनट पर होगा। उदया तिथि के आधार पर अक्षय नवमी का पर्व 19 नवंबर को मनाया जाएगा।

पूजा के लिए सुबह 6 बजकर 46 मिनट से दोपहर 12 बजकर 6 मिनट तक का समय शुभ बताया गया है। इस दौरान श्रद्धालु भगवान विष्णु की पूजा–अर्चना कर सकते हैं। आंवले के वृक्ष को जल अर्पित करने और दीपक जलाने की भी परंपरा है। अक्षय नवमी पर आंवले के वृक्ष की पूजा का विशेष विधान है। धार्मिक मान्यता है कि आंवले के पेड़ में भगवान विष्णु का वास होता है। इसलिए इस दिन वृक्ष की पूजा कर परिवार की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की जाती है। कई स्थानों पर परिवार के सदस्य आंवले के पेड़ के नीचे बैठकर भोजन करते हैं। इसे धार्मिक आस्था, पारिवारिक एकता और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक माना जाता है।

इस दिन अन्न, वस्त्र और धन का दान करना भी शुभ माना गया है। जरूरतमंदों को भोजन कराना और उनकी सहायता करना अक्षय पुण्य प्राप्ति का माध्यम माना जाता है। अक्षय नवमी की तुलना अक्षय तृतीया से भी की जाती है। दोनों ही तिथियों को धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पुण्यदायी माना गया है।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर

डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)	डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT	डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON	डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S. M.S. Ortho	डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI	डॉ. नितेश जिंदल MBBS, MD, MEDICINE	डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &	डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T	डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH	डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY	आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है

आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

गायों को श्रृंगारित कर किया सामूहिक गौ पूजन



जयसिंहपुरा स्थित राधाकृष्ण वाटिका में सामूहिक गौ पूजन करते समिति के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। गोपाष्टमी पर मंगलवार को श्रीमद्भागवत कथा आयोजन समिति के तत्वावधान में जयसिंहपुरा स्थित राधाकृष्ण वाटिका में सामूहिक गौ पूजन का आयोजन किया गया। समिति के वार्षिक परंपरागत आयोजन के अंतर्गत गौशाला की गायों को स्नान कराकर मेहंदी, ओढ़नी और वंदनी से आकर्षक ढंग से श्रृंगारित किया गया। इसके बाद विधि-विधान से उनका पूजन कर गुड़ का भोग लगाया गया और कपूर से आरती उतारी गई।

पूजन कार्यक्रम में समिति संस्थापक पंडित अमित भारद्वाज, पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री, समिति महामंत्री आचार्य सुमंत कृष्ण शास्त्री, आचार्य नंदकिशोर पांडेय, अशोक व्यास और बृजेश शास्त्री सहित उपस्थितजनों ने रोली, चावल, कुमकुम, हल्दी और चंदन से गायों का तिलक कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर गाय को राष्ट्रीय निधि घोषित करने की मांग उठाई गई। समिति संस्थापक पंडित अमित भारद्वाज ने कहा कि गाय को राष्ट्रीय निधि का दर्जा मिलने से उसके संरक्षण और संवर्धन को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में हेमंत शर्मा, बुद्धि प्रकाश शास्त्री, ऋषि कुमार तिवारी, शरद गोपाला शास्त्री, विनय त्रिपाठी, कन्हैया पांडेय और नरेंद्र पाठक सहित अनेक लोगों ने सामूहिक गौ पूजन में सहभागिता की।

अक्षय नवमी पर राशि के अनुसार करें उपाय, मिलेगी सुख–समृद्धि

यूनिक समय, मथुरा। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाने वाली अक्षय नवमी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इसे आंवला नवमी भी कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और आंवले के वृक्ष की आराधना करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय नवमी पर पूजा–पाठ, दान और पुण्य के कार्य करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार इस दिन राशि के अनुरूप उपाय करने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त हो सकती है। मान्यता है कि इससे परिवार में सुख–समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है।



मेष राशि के जातक भगवान विष्णु की पूजा कर आंवले के पेड़ पर सात बार कच्चा सूत लपेटें। वृषभ राशि वाले सार्वजनिक स्थान पर आंवले का पौधा लगाकर उसकी देखभाल करें। मिथुन राशि के जातक परिवार के साथ आंवले के पेड़ के नीचे भोजन करें। कर्क राशि वाले वृक्ष की जड़ में कच्चा दूध अर्पित कर पूजा करें। सिंह राशि के जातक सात बार परिक्रमा करें, जबकि कन्या राशि वाले रोली, अक्षत और चंदन अर्पित कर सात परिक्रमा करें। तुला राशि के जातक आंवले के पेड़ पर जल चढ़ाकर भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें। वृश्चिक राशि वाले विष्णु जी के सामने घी का दीपक जलाकर आंवले का भोग लगाएं। धनु राशि के जातक भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करें। मकर राशि वाले ब्राह्मणों को दान दें। कुंभ राशि के जातक विष्णु जी को आंवले का भोग लगाकर ब्राह्मणों को आंवला दान करें। मीन राशि के जातक भगवान विष्णु की पूजा करें और शाम को तुलसी के पास घी का दीपक जलाएं। ये सभी उपाय ज्योतिषीय और धार्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं।

आज से अग्नि पंचक शुरू, पांच दिन तक इन कार्यों को करने से बचें

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार से अग्नि पंचक की शुरुआत हो गई है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार मंगलवार को प्रारंभ होने वाले पंचक को अग्नि पंचक या भौम पंचक कहा जाता है। इसे पांच दिनों की अवधि वाला पंचक माना जाता है। इस दौरान कुछ विशेष कार्यों को करने की मनाही बताई गई है। मान्यता है कि अग्नि पंचक में आग से जुड़े कार्य, निर्माण और लकड़ी से संबंधित खरीदारी करने से बचना चाहिए। यही वजह है कि पंचक के दौरान लोग शुभ कार्यों और नए कामों को लेकर विशेष सावधानी बरतते हैं।

अग्नि पंचक का प्रारंभ 17 नवंबर मंगलवार को दोपहर 3 बजकर 30 मिनट पर हुआ। इसका प्रभाव 21 नवंबर तक रहेगा, जबकि पंचक का समापन 22 नवंबर को सुबह 5 बजकर 54 मिनट पर होगा। पंचांग के अनुसार 18 से 21 नवंबर तक पंचक का प्रभाव पूरे दिन रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पंचक की गणना नक्षत्रों के आधार पर की जाती है। सप्ताह के जिस दिन पंचक शुरू होता है, उसी के अनुसार उसका नाम और प्रभाव बताया जाता है।



मंगलवार दोपहर 3:30 बजे से हुआ प्रारंभ

22 नवंबर की सुबह 5:54 बजे होगा समापन

आग, लकड़ी और निर्माण कार्यों में बरतें सावधानी

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार अग्नि पंचक के दौरान आग से जुड़े नए कार्य शुरू करने से बचना चाहिए। इस अवधि में हवन, यज्ञ या मांगलिक आयोजन के लिए नई अग्नि प्रज्वलित करना उचित नहीं माना जाता। इसके अलावा नया चूल्हा जलाने, लकड़ी अथवा लकड़ी से बने फर्नीचर की खरीदारी करने से भी परहेज करने की सलाह दी जाती है। घर की छत का निर्माण या मरम्मत कराने को लेकर भी सावधानी बरतने की मान्यता है।

ज्योतिष में सोमवार से शुरू होने वाले पंचक को राज पंचक, मंगलवार को अग्नि पंचक, शुक्रवार को चोर पंचक, शनिवार को मृत्यु पंचक और रविवार को रोग पंचक कहा जाता है। वहीं बुधवार और गुरुवार से शुरू होने वाले पंचक को सामान्यतः अशुभ नहीं माना जाता। ये सभी नियम धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताओं पर आधारित हैं।

सम्पादकीय

कैलोरी का हिसाब छोड़िए, अब पोषण की असली दौलत गिनिए

कभी खाने की थाली देखकर भूख का अंदाजा लगाया जाता था, अब मोबाइल और फूड पैकेट देखकर कैलोरी का हिसाब लगाया जाता है। लगता है जैसे खाना खाने से पहले गणित की परीक्षा पास करना जरूरी हो गया हो। कितनी कैलोरी, कितना फैट, कितनी शुगर और कितना सोडियम... खाने की हर चीज का हिसाब रखा जा रहा है। लेकिन इस भागदौड़ में एक जरूरी सवाल पीछे छूट गया है कि आखिर हमारे शरीर को पोषण कितना मिल रहा है?



पवन गौतम
संपादक

विडंबना देखिए, हम कम कैलोरी वाला खाना खोजने में इतने व्यस्त हैं कि उसमें मौजूद पोषक तत्वों को देखना ही भूल जाते हैं। यानी पेट को भरने और कैलोरी बचाने की चिंता तो है, लेकिन शरीर को मजबूत बनाने वाले पोषण की फिक्र कम है।

सेब और नाशपाती की तुलना इसका अच्छा उदाहरण है। दोनों फल पोषण से भरपूर हैं, लेकिन नाशपाती में फाइबर कुछ अधिक मिलता है। दोनों में मौजूद पेक्टिन जैसे घुलनशील फाइबर कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण में मदद कर सकते हैं। मतलब यह कि केवल कैलोरी गिनने से खाने की पूरी कहानी नहीं समझी जा सकती। अब बाजार की तरफ देखिए। पैकेट पर बड़े–बड़े अक्षरों में लिखा रहता है– लो फैट, मल्टीग्रेन, शुगर फ्री और हेल्दी। ग्राहक भी इन शब्दों को देखकर खुश हो जाता है। लेकिन क्या मल्टीग्रेन लिख देने से हर उत्पाद पौष्टिक हो जाता है? क्या शुगर फ्री होने का मतलब उसमें दूसरे पोषक तत्व भी पर्याप्त हैं? असलियत जानने के लिए लेबल पढ़ना जरूरी है।

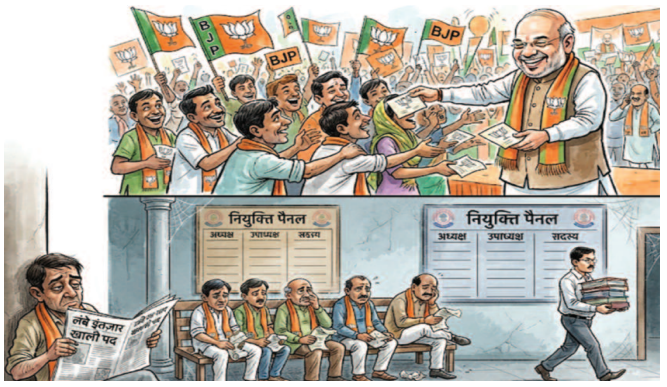
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

खाद्य पदार्थ चुनते समय प्रोटीन, फाइबर, विटामिन, मिनरल्स और सोडियम की मात्रा देखनी चाहिए। साबुत अनाज, दालें, नट्स और बीज बेहतर विकल्प हो सकते हैं। साथ ही एडेड शुगर और सामग्री की सूची पर भी ध्यान देना चाहिए। समान कैलोरी वाले दो खाद्य पदार्थों में अधिक पोषक तत्व देने वाला विकल्प बेहतर हो सकता है। दरअसल, हमारी खाने की आदतें भी विज्ञापनों की तरह आकर्षक पैकेजिंग के जाल में फंस जाती हैं। हम कैलोरी कम करने को ही सेहत समझ लेते हैं, जबकि शरीर को संतुलित पोषण चाहिए। फंडा यह है कि खाना कोई कैलकुलेटर नहीं, जिसे सिर्फ कैलोरी के जोड़–घटाव से समझ लिया जाए। अब वक्त आ गया है कि हम कैलोरी के साथ पोषण का हिसाब भी रखें। आखिर शरीर को सिर्फ कम कैलोरी नहीं, बेहतर पोषण चाहिए।

नजरिया

चुनाव में कार्यकर्ता याद, सत्ता में क्यों भूल जाती है बीजेपी

बोध प्रकाश सगुणी



भारतीय जनता पार्टी चुनावी राजनीति में अपनी रणनीति, संगठनात्मक ताकत और कार्यकर्ताओं की फौज के दम पर लगातार अपनी मौजूदगी दर्ज कराती रही है। चुनाव आते ही पार्टी का पूरा संगठन सक्रिय हो जाता है। नाराज नेताओं को मनाने से लेकर असंतुष्ट कार्यकर्ताओं को साधने तक हर स्तर पर प्रयास होते हैं। किसी को संगठन में पद देने का भरोसा मिलता है तो किसी को सत्ता में आने पर जिम्मेदारी सौंपने का आश्वासन। लेकिन जब केंद्र में सरकार बन जाती है तो यही वादे अक्सर इंतजार में बदल जाते हैं। सवाल है कि चुनाव जीतने में माहिर भाजपा अपने ही कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने के मामले में पीछे क्यों रह जाती है?

केंद्र सरकार के अधीन अनेक आयोग, बोर्ड, परिषद, अकादमियां और स्वायत्त संस्थाएं हैं। इनमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के कई पद लंबे समय से खाली पड़े हैं। इन पदों पर नियुक्तियां केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं हैं, बल्कि संस्थानों की दिशा, कार्यक्षमता और सामाजिक प्रतिनिधित्व से भी जुड़ी हैं। इसके बावजूद नियुक्तियों में हो रही देरी सरकार और संगठन दोनों की कार्यशैली पर सवाल खड़े करती है।

नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा इसका बड़ा उदाहरण है। इसके अध्यक्ष परेश रावल का कार्यकाल वर्ष 2024 में समाप्त हो चुका है, लेकिन नियमित नियुक्ति अब तक नहीं हो सकी। संस्कृति मंत्रालय के अधीन ललित कला अकादमी में भी अध्यक्ष और जनरल काउंसिल के पदों को लेकर रिक्तियों की स्थिति बनी हुई है। जनरल काउंसिल का कार्यकाल मई 2023 में समाप्त हो गया था, जबकि अध्यक्ष का कार्यकाल मार्च 2026 में पूरा हुआ। यही स्थिति संवैधानिक और वैधानिक संस्थाओं में भी दिखाई देती है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में उपाध्यक्ष का पद जुलाई 2019 से खाली बताया गया है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग में भी महत्वपूर्ण पदों की रिक्तियां चिंता का विषय हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग में अध्यक्ष और छह सदस्यों के पद लंबे समय से खाली रहने का मुद्दा भी सामने आया है।

ये उदाहरण बताते हैं कि मामला किसी एक मंत्रालय या संस्थान तक सीमित नहीं है। सवाल यह है कि जब इन संस्थानों में नियुक्तियों की जरूरत है तो सरकार निर्णय लेने में इतनी देरी क्यों कर रही है? क्या संबंधित मंत्रालयों के पास योग्य नामों की कमी है या नियुक्तियों की प्रक्रिया संगठन और सरकार के बीच तालमेल के अभाव में अटकी हुई है? भाजपा की राजनीति का एक दिलचस्प पहलू यह है कि चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करने के लिए बड़े–बड़े अभियान चलाए जाते हैं। टिकट कटने से नाराज नेता हों या लंबे समय से संगठन में काम कर रहे कार्यकर्ता, सभी को मनाने की कोशिश होती है। बैठकों में भविष्य की जिम्मेदारियों का भरोसा दिया जाता है। लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद इन आश्वासनों पर कितनी गंभीरता से काम होता है, यह बड़ा सवाल है। वर्षों तक पार्टी के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता भी चाहते हैं कि उनकी योग्यता और अनुभव का उपयोग हो। कोई शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देना चाहता है तो कोई संस्कृति, कला, साहित्य, सामाजिक न्याय या जनजातीय कल्याण से जुड़े संस्थानों में जिम्मेदारी निभाना चाहता है। ऐसे लोगों के बायोडाटा संगठन तक पहुंचते हैं, लेकिन नियुक्तियों की प्रतीक्षा खत्म नहीं होती। आखिर कार्यकर्ता कब तक केवल चुनाव प्रचार, रैलियों में भीड़ जुटाने और संगठनात्मक गतिविधियों तक सीमित रहेंगे? क्या उनकी राजनीतिक उपयोगिता केवल चुनाव के समय तक है? यदि ऐसा नहीं है तो फिर उन्हें जिम्मेदारी देने की प्रक्रिया इतनी धीमी क्यों है? किसी भी आयोग या अकादमी में प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, लेकिन संस्थान को व्यापक दृष्टिकोण देने के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की भी जरूरत होती है। इन पदों पर संबंधित क्षेत्र के अनुभवी और योग्य लोगों की नियुक्ति संस्थान के कामकाज को बेहतर बना सकती है। सरकार के सामने चुनौती केवल राजनीतिक कार्यकर्ताओं को पद देने की नहीं, बल्कि सही योग्यता और अनुभव वाले लोगों का चयन करने की भी है। राजनीतिक निष्ठा के बजाय क्षमता, विशेषज्ञता और सार्वजनिक सरोकारों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। आखिर आयोग और अकादमियां किसी दल की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि सार्वजनिक संस्थान हैं। इसलिए नियुक्तियों में पारदर्शिता और योग्यता का संतुलन जरूरी है। इसके साथ ही यह भी समझना होगा कि लंबे समय तक खाली पद रहने से संस्थानों के निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। नई योजनाओं, नीतिगत फैसलों और कार्यक्रमों की गति धीमी पड़ सकती है।

ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह रिक्तियों की नियमित समीक्षा करे और समयबद्ध नियुक्तियां सुनिश्चित करे। भाजपा को अपने संगठन की ताकत पर गर्व है। पार्टी के पास अनुभवी नेताओं और समर्पित कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब जिम्मेदारी देने के लिए इतने लोग मौजूद हैं तो संस्थानों में पद खाली क्यों पड़े हैं? क्या सरकार और संगठन के बीच समन्वय की कमी है या नियुक्तियों को लेकर कोई स्पष्ट समयसीमा तय नहीं है? प्रधानमंत्री कार्यालय और संबंधित मंत्रालयों को चाहिए कि सभी आयोगों, बोर्डों, अकादमियों और स्वायत्त संस्थाओं में रिक्त पदों की सूची सार्वजनिक करें। साथ ही यह भी बताया जाए कि कौन–सा पद कब से खाली है और नियुक्ति में देरी का कारण क्या है। इससे जवाबदेही तय होगी और संस्थानों को समय पर नेतृत्व मिल सकेगा। अंततः किसी राजनीतिक दल की असली ताकत केवल चुनावी जीत या सदस्यता के आंकड़ों से नहीं मापी जाती। उसकी ताकत इस बात से भी तय होती है कि वह अपने कार्यकर्ताओं की प्रतिभा को कितना सम्मान देता है और योग्य लोगों को कितने अवसर उपलब्ध कराता है। चुनाव के समय कार्यकर्ताओं को याद करना और सत्ता मिलने के बाद उन्हें इंतजार में छोड़ देना संगठन की विश्वसनीयता के लिए ठीक नहीं है। भाजपा को यह समझना होगा कि कार्यकर्ता केवल चुनाव जिताने का माध्यम नहीं, बल्कि संगठन की स्थायी पूंजी हैं। यदि खाली पदों पर समय रहते योग्य नियुक्तियां नहीं हुईं तो कार्यकर्ताओं की नाराजगी बढ़ना स्वाभाविक है। आखिर सवाल पदों का ही नहीं, भरोसे और सम्मान का भी है।

विचार विंडो

गोपाष्टमी पर पूजन, बाकी दिन गायों का तिरस्कार

राम प्रकाश शर्मा

गोपाष्टमी आते ही गोमाता की किस्मत अचानक चमक उठती है। सालभर सड़कों पर धक्के खाने वाली गायें एक दिन के लिए वीआईपी बन जाती हैं। माथे पर तिलक लगता है, गले में माला पहनाई जाती है, गुड़ और हरा चारा खिलाया जाता है। पूजा करने वालों की भीड़ उमड़ती है, फोटो खिंचती हैं और सोशल मीडिया पर गोमाता के प्रति श्रद्धा का सैलाब आ जाता है। ऐसा लगता है मानो अब गायों के अच्छे दिन आ ही गए! लेकिन अफसोस, यह चमक गोपाष्टमी की शाम ढलते ही फीकी पड़ जाती है। अगले दिन वही गाय सड़क पर, वही भूख, वही बेबसी और वही सवाल–आज खाने को क्या मिलेगा?

विडंबना देखिए, जिस गाय को हम मां कहकर पुकारते हैं, उसी को पेट भरने के लिए कूड़े के ढेर खंगालने पड़ते हैं। बाजारों में फेंकी गई सड़ी सब्जियां, भोजन के साथ पड़ा प्लास्टिक और गलियों में बचा–खुचा कचरा ही कई गायों की जिंदगी का सहारा बन जाता है। कभी सड़क किनारे खाली पेट खड़ी गाय किसी दुकान की ओर उम्मीद से देखती है, तो कभी कूड़े में मुंह मारकर अपनी भूख मिटाने की कोशिश करती है। उसके सामने से गुजरते लोग शायद उसे देखते भी हैं, लेकिन हर किसी के पास अपनी व्यस्तता का बहाना तैयार है। आखिर गाय की भूख से ज्यादा जरूरी हमारे रोजमर्रा के काम जो हैं!

गोपाष्टमी पर गोसेवा की तस्वीरें देखकर लगता है कि समाज में गायों की चिंता करने वालों की कोई कमी नहीं। लेकिन सवाल है कि यह चिंता सालभर कहां चली जाती है? क्या गायों का पेट केवल गोपाष्टमी पर ही भूख मांगता है? क्या उन्हें पानी केवल इसी दिन चाहिए? क्या बीमार होने और चोट लगने का समय भी त्योहार देखकर तय होता है? अगर नहीं, तो फिर हमारी गोसेवा का कैलेंडर इतना छोटा क्यों है?

व्यवस्था की हालत भी कम दिलचस्प नहीं। गोवंश संरक्षण के नाम पर योजनाएं बनती हैं, गोशालाओं की चर्चा होती है और निरीक्षण की खबरें भी आती हैं। लेकिन सड़कों पर घूमती बेसहारा गायें इन दावों की जमीनी हकीकत बताने के लिए काफी हैं।



गोशाला में कितनी गायें हैं, उन्हें कितना चारा मिलता है, पानी और उपचार की क्या व्यवस्था है, इसकी नियमित निगरानी जरूरी है। केवल आंकड़ों और कागजी व्यवस्थाओं से गोमाता की भूख नहीं मिटती। गोशाला का बोर्ड चमकने से वहां रहने वाली गायों का जीवन नहीं चमक जाता।

गोवंश की दुर्दशा के पीछे समाज की एक कड़वी सच्चाई भी है। जब तक गाय दूध देती है, तब तक वह घर–परिवार का हिस्सा रहती है। जैसे ही दूध देना बंद करती है, कुछ लोग उसे बेसहारा छोड़ देते हैं। जिस पशु ने वर्षों तक परिवार की जरूरतें पूरी कीं, उसके बुढ़ापे में उसे सड़कों पर छोड़ देना कैसी कृतज्ञता है? गाय कोई दूध देने वाली मशीन नहीं, बल्कि एक जीव है, जिसे भोजन, पानी और देखभाल की जरूरत हमेशा रहती है। गोसेवा के उपदेश देने वालों को इस सवाल का जवाब भी तलाशना चाहिए।

यह तस्वीर का दूसरा पहलू है कि समाज में आज भी अनेक लोग निस्वार्थ भाव से गोसेवा कर रहे हैं। कोई अपने खर्च से चारा–पानी जुटाता है, कोई बीमार गायों का उपचार कराता है तो कोई बेसहारा गोवंश को आश्रय दिलाने में लगा है। कई गोसेवक बिना प्रचार और फोटो के अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे लोगों का सेवाभाव वास्तव में सम्मान के योग्य है। उनकी वजह से अनेक बेजुबानों को राहत मिलती है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर पूरी व्यवस्था का बोझ कुछ संवेदनशील लोगों के कंधों पर कब तक रहेगा? गोसेवा केवल व्यक्तिगत पुण्य का विषय नहीं, सामूहिक सामाजिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी भी है। प्रशासन को गोशालाओं में चारे, पानी, साफ–सफाई और पशु चिकित्सा की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। निराश्रित गायों के लिए सुरक्षित आश्रय हो और उनकी देखरेख में लापरवाही मिलने पर जवाबदेही तय हो। पशुपालकों को भी गायों को सड़कों पर छोड़ने की मानसिकता बदलनी होगी। आम नागरिकों को कूड़े में प्लास्टिक फेंकने से बचना चाहिए और अपने आसपास भूखे गोवंश के लिए पानी तथा भोजन की व्यवस्था में सहयोग करना चाहिए।

गोपाष्टमी का उद्देश्य केवल पूजा–पाठ और धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारी आस्था की असली परीक्षा मंदिरों और आयोजनों में नहीं, बल्कि सड़कों पर भूख से भटकती गायों के प्रति हमारे व्यवहार में है। गाय को माला पहनाने से पहले उसके लिए चारे का इंतजाम करना होगा। तिलक लगाने से पहले यह देखना होगा कि कहीं वह बीमार या घायल तो नहीं। जयकारे लगाने के साथ उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उठानी होगी।

आखिर कब तक गोमाता को साल में एक दिन सम्मान और बाकी दिन इंतजार मिलता रहेगा? कब तक गोपाष्टमी पर गुड़ खिलाकर हम अपनी जिम्मेदारी पूरी मानते रहेंगे? गायों को भाषण नहीं, भोजन चाहिए; दिखावा नहीं, देखभाल चाहिए और एक दिन की पूजा नहीं, सालभर का संरक्षण चाहिए।

याद रखिए, गोपाष्टमी पर गोमाता की जय बोलना आसान है, लेकिन अगले दिन भी उसके लिए चारा जुटाना ही असली गोसेवा है। जिस दिन भूखी गाय को कूड़े में भोजन तलाशने की मजबूरी नहीं रहेगी, उसी दिन हमारी गोपाष्टमी सचमुच सफल होगी।

शमी की राजस्थान में एंट्री, करन पहुंचे लखनऊ, हर्षल ने भी बदली टीम

लखनऊ-राजस्थान के बीच तीन खिलाड़ियों की ट्रेड डील

हर्षल पटेल चार करोड़ में गुजरात टाइटंस से जुड़े



यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले टीमों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली शुरू हो गई है। राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच तीन खिलाड़ियों का ट्रेड हुआ है। इसके तहत भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी राजस्थान की टीम में शामिल होंगे, जबकि इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलेंगे। वहीं, लखनऊ के लेफ्ट आर्म स्पिनर एम. सिद्धार्थ राजस्थान की टीम का हिस्सा बनेंगे। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल गुजरात टाइटंस से जुड़ेंगे। ईएसपीएन की रिपोर्ट के मुताबिक, गुजरात ने हर्षल के लिए 4 करोड़ रुपए की ऑल-कैश डील की है।

राजस्थान रॉयल्स ने पिछले सीजन पावरप्ले में कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशानी झेली थी। टीम ने शुरुआती छह ओवर में 10.14 रन प्रति ओवर खर्च किए थे। ऐसे में शमी के आने से टीम की गेंदबाजी मजबूत होने की उम्मीद है। उनकी जोड़ी जोफ्रा आर्चर के साथ बन सकती है। शमी ने आईपीएल 2026 में लखनऊ के लिए 13 मैचों में 12 विकेट लिए थे। उनका इकोनॉमी रेट 9 रहा था। वहीं, सैम करन लखनऊ को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में विकल्प देंगे। वह पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल चुके हैं। 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। लखनऊ में कप्तानी के लिए भी उनका नाम चर्चा में रह सकता है। दूसरी ओर, एम. सिद्धार्थ अब तक आईपीएल के 9 मैचों में 9 विकेट ले चुके हैं। हर्षल पटेल गुजरात की गेंदबाजी को मजबूती देंगे। वह आईपीएल में 124 मैचों में 151 विकेट ले चुके हैं। दो बार पर्पल कैप जीत चुके हर्षल 2021 में 32 और 2024 में 24 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। आईपीएल 2027 के लिए सभी 10 टीमों को 17 नवंबर तक रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की सूची जमा करनी है। प्रत्येक टीम का सैलरी कैप 157 करोड़ रुपए है। एक टीम में अधिकतम 25 खिलाड़ी और 8 विदेशी खिलाड़ी रखे जा सकते हैं।

बैटमैन छोड़ अब जेम्स बॉन्ड बनेंगे रॉबर्ट पैटिनसन

चार दिग्गजों को पछाड़ हासिल किया 007 का किरदार



यूनिक समय, नई दिल्ली। हॉलीवुड अभिनेता रॉबर्ट पैटिनसन अब जेम्स बॉन्ड के रूप में नजर आएंगे। सोमवार को उन्हें बॉन्ड फ्रेंचाइजी की 26वीं फिल्म के लिए नया 007 चुना गया। इस भूमिका की दौड़ में कैलम टर्नर, जैक लॉडेन, जोश ओ'कॉनर और निकोलस हॉल्ट भी शामिल थे। पैटिनसन ने इन सभी को पीछे छोड़कर यह जिम्मेदारी हासिल की है। 13 मई 1986 को जन्मे पैटिनसन 'द बैटमैन', 'हैरी पॉटर' और 'ट्वाइलाइट' जैसी चर्चित फिल्मों में काम कर चुके हैं। अपने दो दशक लंबे करियर में वह 30 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। उन्होंने जेम्स बॉन्ड का किरदार मिलने को अपने जीवन का सबसे बड़ा सम्मान बताया है। जेम्स बॉन्ड सीरीज की पहली फिल्म 'डॉ. नो' 1962 में रिलीज हुई थी। अब तक शॉन कॉनरी, जॉर्ज लेजेनबी, रोजर मूर, टिमोथी डाल्टन, पियर्स ब्रॉसनन और डेनियल क्रेग इस किरदार को निभा चुके हैं। पैटिनसन सातवें अभिनेता होंगे। आने वाली फिल्म का निर्देशन डेनिस विलेन्यूव करेंगे, जबकि इसकी कहानी स्टीवन नाइट लिख रहे हैं। एमी पास्कल और डेविड हेमैन फिल्म के निर्माता हैं। हालांकि, फिल्म का नाम और रिलीज डेट अभी घोषित नहीं की गई है।

हॉरर के साथ रिश्तों का डर दिखाएगी 'काली खेती'

जैकी श्रॉफ की फिल्म में खेती और पर्यावरण का संदेश

20 नवंबर को होगी रिलीज



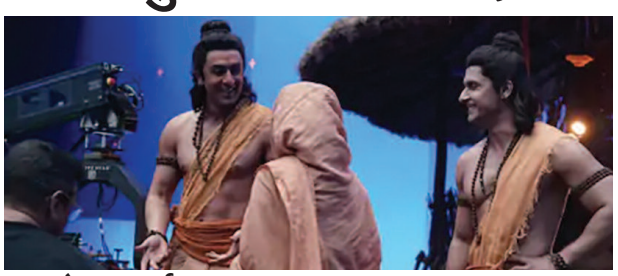
यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ की नई फिल्म 'काली खेती' दर्शकों को हॉरर के साथ पारिवारिक रिश्तों और पर्यावरण से जुड़ा संदेश भी देगी। फिल्म में जैकी श्रॉफ के अलावा शरद केलकर और नेहा सरगम अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हारिस इम्तियाज खान के निर्देशन में बनी यह फिल्म 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जैकी श्रॉफ ने बताया कि फिल्म में खेती, गांव, पहाड़ और हरियाली के साथ खेती के बदलते स्वरूप को दिखाया गया है।

वहीं शरद केलकर के मुताबिक, फिल्म में यह सवाल उठाया गया है कि किसान जो बो रहा है, वास्तव में वही उग भी रहा है या नहीं। नेहा सरगम ने बताया कि फिल्म में पिता-पुत्र के रिश्ते, आपसी मतभेद, अहंकार और भावनात्मक टकराव को भी दिखाया गया है। निर्देशक हारिस के मुताबिक, फिल्म के टाइटल 'काली खेती' के कई अर्थ हैं, जिन्हें दर्शक फिल्म देखने के बाद समझ सकेंगे। जैकी श्रॉफ ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए लोगों से ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की अपील की। उन्होंने बताया कि उनके फार्महाउस में 21 किस्म के चावल उगाए जाते हैं, जिनमें गोरखपुर का काला नमक चावल भी शामिल है।

'रामायण-2' पहले पार्ट से 10 गुना ज्यादा कमाएगी

राम गोपाल वर्मा का दावा पहले भाग का बजट 800 करोड़ से कम

नमित मल्होत्रा के विजन की तारीफ की



यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने निर्देशक नीतेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' के बजट और कमाई को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि फिल्म के पहले पार्ट का वास्तविक बजट 800 करोड़ रुपए से कम है, जबकि इसका दूसरा भाग पहले से दस गुना ज्यादा कमाई कर सकता है। वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक लंबा पोस्ट लिखकर निर्माता नमित मल्होत्रा की तारीफ भी की। वर्मा के मुताबिक, फिल्म के एक पार्ट का बजट 2,000 करोड़ और दोनों भागों की लागत 4,000 करोड़ रुपए बताना गलत है। उन्होंने कहा कि टैक्स बेनिफिट और सब्सिडी जैसी सुविधाओं के कारण वास्तविक खर्च और कम हो जाता है। वह फिल्म दो बार देख चुके हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मां ने भी फिल्म देखने के लिए बिल्डिंग के गार्ड और कर्मचारियों के टिकट खरीदे हैं। वर्मा ने कहा कि फिल्म का भव्य विजुअल सेटअप भविष्य में गेमिंग और दूसरे प्रोजेक्ट्स में भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। उन्होंने दूसरे भाग में हनुमान का पराक्रम, लंका दहन और रावण वध जैसे बड़े प्रसंगों को खास बताया। पहले 2027 में रिलीज होने वाला दूसरा भाग अब 2028 में सिनेमाघरों में आएगा।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए सैंटनर

पांचवें वनडे में दाएं हाथ में लगी थी चोट

फ्रैक्चर के बाद डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को टीम में मिली जगह



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले मेहमान टीम को बड़ा झटका लगा है। न्यूजीलैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान और अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। रविवार को भारत के खिलाफ पांचवें वनडे में बल्लेबाजी के दौरान उनके दाएं हाथ पर गेंद लगी थी। इसके बाद कराए गए स्कैन में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इसकी जानकारी दी।

सैंटनर की जगह सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के स्पिन ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। कप्तान टॉम लाथम की अगुआई वाली टीम के लिए फॉक्सक्रॉफ्ट पहली बार भारत के खिलाफ खेल सकते हैं। उन्होंने मई में आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। अपने पहले ही टेस्ट की एक पारी में उन्होंने 129 गेंदों पर 98 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, सैंटनर की वापसी को लेकर फिलहाल कोई समय-सीमा तय नहीं हुई है। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद न्यूजीलैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी टेस्ट सीरीज खेलनी है। उसमें सैंटनर की उपलब्धता पर बाद में फैसला लिया जाएगा। इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज 1-3 से हार गई थी। इस दौरान भी टीम चोटों से परेशान रही थी।

गिल का ऐलान-पहले टेस्ट में चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगा भारत

बुमराह की एक साल बाद वापसी, पंत की जगह पक्की

19 नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में चार तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के खेलने को लेकर भी स्थिति साफ कर दी। गिल ने कहा कि टीम मैनेजमेंट के सामने पंत को लेकर कोई दुविधा नहीं है। इस मुकाबले में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी करीब एक साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे।

उन्होंने अपना पिछला टेस्ट 22 नवंबर 2025 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। गिल के मुताबिक, भारतीय टीम सात बल्लेबाजों के साथ मैदान पर उतर सकती है। आठवें और नौवें नंबर पर अंशुल कंबोज और आकाश दीप बल्लेबाजी में योगदान दे सकते हैं। नीतीश कुमार रेड्डी भी बल्लेबाजी का विकल्प हैं। हालांकि, चार तेज गेंदबाजों के चयन को लेकर कप्तान ने कहा कि सभी गेंदबाजों ने वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए अंतिम प्लेइंग-11 चुनना आसान नहीं होगा। हाल ही में कुलदीप यादव की जगह तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। इससे भारत के पास तेज गेंदबाजी के अधिक विकल्प हो गए हैं।

स्पिन विभाग में रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर में से किसी एक को मौका मिल सकता है। पंत पर भरोसा जताते हुए गिल ने कहा कि वह 50 टेस्ट खेल चुके अनुभवी खिलाड़ी हैं और दुनिया के अलग-अलग देशों में रन बना चुके हैं। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 और वनडे सीरीज जीत चुका है। अब टीम टेस्ट सीरीज जीतकर दौरे में क्लीन स्वीप करना चाहेगी।

दर्द से तड़प रहे थे आर्यवीर सहवाग, फिर भी नहीं छोड़ा मैदान

अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने का बताया राज

32वें ओवर से करने लगे थे 'सीताराम' का जाप



यूनिक समय, नई दिल्ली। अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर एक विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस रोमांचक मुकाबले में पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने चोट और दर्द के बावजूद शानदार बल्लेबाजी की थी। अब आर्यवीर ने बीसीसीआई की ओर से शेयर किए गए वीडियो में फाइनल मैच के दौरान अपने संघर्ष और जीत का राज बताया है। आर्यवीर के मुताबिक, बल्लेबाजी के दौरान उनके हाथ में गेंद लग गई थी, जिससे हाथ सुन्न हो गया और काफी सूजन आ गई थी। कोच सुरेश ने भी उनकी चोट देखकर मैदान से बाहर जाने की सलाह दी थी। हालांकि, आर्यवीर ने खेलने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान जैसे बड़े मुकाबले और फाइनल में खेलने का मौका बार-बार नहीं मिलता। यह उनका आखिरी अंडर-19 टूर्नामेंट था, इसलिए वह टीम को बीच में छोड़ना नहीं चाहते थे। आर्यवीर ने बताया कि वह 32वें ओवर से लगातार 'सीताराम-सीताराम' का जाप कर रहे थे। ड्रेसिंग रूम में भी सभी खिलाड़ी शांत बैठकर टीम की जीत का इंतजार कर रहे थे। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 337 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने आखिरी गेंद पर एक विकेट से मुकाबला जीत लिया।

बंद ईंट-भट्टे पर चल रहा था साइबर ठगी का बड़ा खेल, दो गिरफ्तार

फर्जी बैंक खातों के जरिए 47.82 लाख रुपये की ठगी का खुलासा

पुलिस ने 13 मोबाइल, 5 लैपटॉप और नकदी समेत कई दस्तावेज किए बरामद



यूनिक समय, मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी भगतपुर थाना क्षेत्र के एक बंद पड़े ईंट-भट्टे से फर्जी बैंक खातों का नेटवर्क चला रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हसन और फिरोज आलम के रूप में हुई है। हसन दौलपुरी बनमईया का रहने वाला है, जबकि फिरोज भगतपुर का निवासी है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी जरूरतमंद और सीधे-सादे लोगों को पैसों का लालच देकर उनके नाम पर अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाते थे। देश के विभिन्न हिस्सों में साइबर ठगी के जरिए हासिल की गई रकम इन खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी। इसके बाद आरोपी एटीएम और अन्य माध्यमों से रकम निकाल लेते थे, ताकि जांच एजेंसियों की नजरों से बच सकें। शुरुआती जांच में करीब 47 लाख 82 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस गिरोह के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 13 मोबाइल फोन, पांच लैपटॉप, 10 बैंक पासबुक, दो चेकबुक, एक फर्जी हस्ताक्षर वाला चेक, नौ एटीएम कार्ड और तीन सिम कार्ड बरामद किए हैं। इसके अलावा दो चार्जर, बुलेट मोटरसाइकिल की आरसी, तीन पैन कार्ड, पांच आधार कार्ड और 1 लाख 5 हजार रुपये नकद भी मिले हैं। पुलिस बरामद डिजिटल उपकरणों और दस्तावेजों की जांच कर रही है, ताकि ठगी से जुड़े अन्य खातों और लोगों का पता लगाया जा सके।

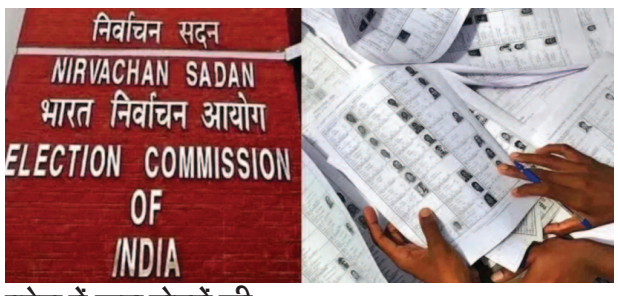
योगी का अचानक रद्द हुआ आगरा दौरा मथुरा से सीधे दिल्ली रवाना हुए सीएम

दिवंगत विधायक छोटेलाल वर्मा के परिवार से होनी थी मुलाकात

2027 चुनाव की रणनीति पर मंथन के बाद सियासी हलचल तेज

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मंगलवार को प्रस्तावित आगरा दौरा अचानक रद्द कर दिया गया है। मथुरा में भाजपा के दो दिवसीय चिंतन शिविर में शामिल होने के बाद अब मुख्यमंत्री सीधे दिल्ली रवाना होंगे। उन्हें आगरा के फतेहाबाद से दिवंगत भाजपा विधायक छोटेलाल वर्मा के परिजनों से मुलाकात करनी थी। कार्यक्रम में अचानक बदलाव के बाद राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, योगी को मथुरा के परखम स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गो-अनुसंधान केंद्र में भाजपा की बैठक के बाद बरसाना जाकर पद्मश्री रमेश बाबा को श्रद्धांजलि देनी थी। इसके बाद उन्हें आगरा के खेरिया एयरपोर्ट पहुंचकर छोटेलाल वर्मा के शमशाबाद रोड स्थित आवास जाना था। विधायक का 24 सितंबर को बीमारी के कारण निधन हो गया था। मथुरा में भाजपा की बैठक में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा हुई। इसमें विपक्ष के नैरेटिव की काट, सामाजिक समीकरण मजबूत करने, सनातन एजेंडे, सरकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने और बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर मंथन किया गया। योगी के अचानक दिल्ली रवाना होने के कारणों को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, उनके दिल्ली दौरे के एजेंडे पर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

यूपी की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी, 19 लाख बढ़े मतदाता



प्रदेश में कुल वोटरों की संख्या 13.58 करोड़ पहुंची, 4 जनवरी 2027 को आएगी फाइनल सूची

16 दिसंबर तक दर्ज करा सकेंगे दावे-आपत्तियां

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चुनाव आयोग ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत 17 नवंबर को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रदेश में मतदाताओं की संख्या करीब 19 लाख बढ़कर 13.39 करोड़ से 13.58 करोड़ हो गई है। नई सूची में कुल 13,58,68,905 मतदाता दर्ज हैं। इनमें 7,38,58,510 पुरुष और 6,20,06,353 महिलाएं शामिल हैं। वहीं, 18 से 19 साल के 11,83,352 युवा मतदाता हैं। आंकड़ों के मुताबिक, जनसंख्या के अनुमान की तुलना में प्रदेश में 2.58 करोड़ से अधिक मतदाताओं की कमी है। इसमें करीब 94.17 लाख पुरुष और 1.64 करोड़ महिला मतदाता शामिल हैं। धर्म के आधार पर वोट काटे जाने के आरोपों पर नवदीप रिणवा ने कहा कि मतदाता सूची में धर्म या जाति का कोई विवरण नहीं होता और आयोग के पास ऐसा आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। ड्राफ्ट सूची पर 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। इनका निस्तारण 28 दिसंबर तक किया जाएगा। इसके बाद 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी। इसी बीच भाजपा ने भी प्रदेश में एक महीने का 'मतदाता जोड़ो अभियान-2026' शुरू किया है। पार्टी का लक्ष्य बूथ स्तर पर नए मतदाताओं को सूची में शामिल कराना है।

यूपी चुनाव से पहले सपा-कांग्रेस में सीटों पर फंसा पेंच, बैठक टली



कांग्रेस ने 181 सीटों की मांग की, प्रियंका गांधी की अगुवाई में बनी पांच सदस्यीय कमेटी

सीट बंटवारे पर बातचीत अब भी अधूरी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हैं, लेकिन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच अब तक सीटों का बंटवारा तय नहीं हो पाया है। मंगलवार को दोनों दलों के नेताओं के बीच प्रस्तावित बैठक भी टाल दी गई। सूत्रों के मुताबिक, सोनिया गांधी की किताब के विमोचन कार्यक्रम में राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मुलाकात के बाद बैठक दो-तीन दिन के लिए आगे बढ़ाई गई है। सीटों पर बातचीत के बीच कांग्रेस ने पांच सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया है। इसकी कमान प्रियंका गांधी को सौंपी गई है। समिति में केसी वेणुगोपाल, यूपी कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम, आराधना मिश्रा और सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने सपा से कई ऐसी सीटें भी मांगी हैं, जहां फिलहाल समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। इसी वजह से गठबंधन में सीटों को लेकर खींचतान बनी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांग्रेस ने यूपी की 403 विधानसभा सीटों में से 181 पर चुनाव लड़ने की मांग रखी है। हालांकि, सपा इस मांग पर सहमत है या नहीं, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 399 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन उसे सिर्फ दो सीटों पर जीत मिली थी और उसका वोट शेयर 2.33 प्रतिशत रहा था। अब दोनों दलों के बीच बातचीत और सीटों के बंटवारे पर सबकी नजरें टिकी हैं।

कानपुर अग्निकांड: बिल्डर समेत पांच पर एफआईआर, फर्जी नक्शे से बेचा था फ्लैट

19.50 लाख रुपये में खरीदे अपार्टमेंट में बेटे की जिंदा जलकर हुई थी मौत

पत्नी गंभीर रूप से झुलसी पूर्व पार्षद भी नामजद



यूनिक समय, कानपुर। कानपुर के पटकापुर स्थित राधिका अपार्टमेंट अग्निकांड मामले में पुलिस ने बिल्डर मोहित तिवारी, हिस्ट्रीशीटर पूर्व पार्षद मन्नू रहमान समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि फर्जी नक्शा दिखाकर मानकों के विपरीत बने फ्लैट को बेचा गया था। फीलखाना पुलिस ने पीड़ित अनिल बाथम की शिकायत पर बिल्डर, प्लॉट मालिक सरबजीत कौर और दो सहयोगियों प्यारे खान व सफीक को भी नामजद किया है। अनिल बाथम ने बताया कि उन्होंने 12 दिसंबर 2024 को 19.50 लाख रुपये की लिखा-पढ़ी और करीब दो लाख रुपये नकद देकर पांचवीं मंजिल पर फ्लैट खरीदा था। बाद में पता चला कि नक्शा फर्जी था। अपार्टमेंट की लिफ्ट बंद रहती थी, दीवारों में दरारें थीं और बारिश का पानी फ्लैट में भरता था। फायर सेफ्टी के इंतजाम भी नहीं थे। विरोध करने पर आरोपियों ने धमकाया। अग्निकांड में अनिल के 16 वर्षीय इकलौते बेटे प्रांजल की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी मीता गंभीर रूप से झुलस गईं। एक अन्य महिला की भी जान गई और एक बच्चा घायल हुआ। पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। पीड़ित ने केडीए और अग्निशमन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच की भी मांग की है।

वाराणसी के होटल में युवक-युवती के शव मिले, शादी तय होने से था नाराज

युवती का गला कटा मिला, युवक ने फांसी लगाकर दी जान

प्रेम प्रसंग में हत्या और आत्महत्या की आशंका पुलिस, जांच में जुटी



यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में बड़ागांव थाना क्षेत्र के एयरपोर्ट रोड स्थित एक होटल में युवक और युवती के शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस के मुताबिक, युवक ने कथित तौर पर युवती की हत्या करने के बाद खुद भी फांसी लगाकर जान दे दी। दोनों की पहचान बीएलडब्ल्यू पहाड़ी गेट निवासी 20 वर्षीय विकास केसरी और बड़ागांव बसनी की 23 वर्षीय प्रिया केसरी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, प्रिया की बड़ी बहन की शादी विकास के बड़े भाई से हुई है। इसी रिश्ते के चलते दोनों की मुलाकात होती थी और बाद में उनके बीच प्रेम संबंध बन गए। परिजनों ने पुलिस को बताया कि हाल ही में प्रिया की शादी कहीं और तय हो गई थी। इसकी जानकारी मिलने के बाद विकास नाराज था। बताया जा रहा है कि सोमवार रात दोनों होटल पहुंचे थे। होटल कर्मियों के मुताबिक, विकास ने प्रिया को रिश्तेदार बताकर कमरा बुक कराया था। काफी देर तक कमरे से कोई हलचल नहीं होने पर कर्मचारियों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को प्रिया का शव बाथरूम में मिला, जिसके गले पर धारदार हथियार से चोट का निशान था। वहीं विकास का शव कमरे में पंखे के कुंदे से लटका मिला। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एडीसीपी गोमती जोन नृपेंद्र के मुताबिक, मामले की जांच की जा रही है और परिजनों व होटल कर्मचारियों से पूछताछ जारी है।

पंचायत प्रतिनिधियों का हंगामा, मंत्री आवास पर फेंके मिठाई के डिब्बे

पंचायत चुनाव जल्द कराने की मांग पर ओमप्रकाश राजभर के घर का घेराव

पुलिस से धक्का-मुक्की प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेजा गया



यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव जल्द कराने की मांग को लेकर मंगलवार को लखनऊ में पंचायत प्रतिनिधियों ने जमकर प्रदर्शन किया। प्रदेशभर से आए ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों और जिला पंचायत सदस्यों ने पंचायत अधिकार संघ के बैनर तले पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर के आवास का घेराव किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी की और नाराजगी जताते हुए मंत्री के आवास पर मिठाई के डिब्बे फेंके। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो धक्का-मुक्की और नोकझोंक शुरू हो गई। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शनकारी 'गांव की सरकार नहीं तो विधानसभा की सरकार नहीं' और 'पंचायत चुनाव जल्द करवाओ' जैसे नारे लगा रहे थे। उनका कहना था कि ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई 2026 को पूरा हो चुका है। इसके बाद सरकार ने छह महीने का विस्तार दिया था, लेकिन यह अवधि भी समाप्त होने वाली है। इसके बावजूद चुनाव की तारीख घोषित नहीं की गई है।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि चुनाव में देरी से गांवों के विकास कार्य और स्थानीय समस्याओं के समाधान पर असर पड़ रहा है। पंचायत प्रतिनिधि आनंद कुमार ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 243-ई और 243-के में पंचायतों के नियमित और समयबद्ध चुनाव का प्रावधान है। करीब 13 करोड़ ग्रामीण आबादी और आठ लाख संभावित प्रत्याशी चुनाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने चुनाव कराने को लेकर लिखित आश्वासन नहीं दिया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने पंचायतों का कार्यकाल दोबारा बढ़ाने की किसी भी कोशिश का विरोध किया। उनका आरोप है कि 12 जून से लगातार प्रदर्शन के बावजूद उन्हें सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। मंत्री के बयान से भी प्रतिनिधियों में नाराजगी है। उन्होंने साफ कहा कि जब तक पंचायत चुनाव की तारीख घोषित नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा।

उत्तराखंड में मौत बनकर दौड़ी रफ्तार, 24 घंटे में 14 की गई जान

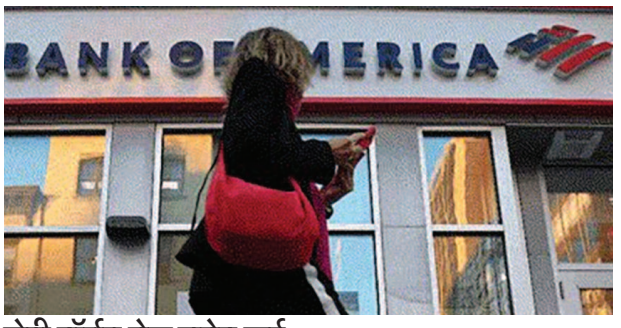
बस और बोलेरो 100 से 500 मीटर गहरी खाई में गिरीं, 24 लोग घायल

पुलिस और एसडीआरएफ ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन



यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के पहाड़ी रास्तों पर पिछले 24 घंटे के भीतर हुए दो भीषण सड़क हादसों में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 से अधिक लोग घायल हो गए। पहली दुर्घटना ऋषिकेश–बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई, जहां यात्रियों से भरी बस पुल से करीब 100 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरी। वहीं, दूसरा हादसा रुद्रप्रयाग जिले के बांसवाड़ा-कंडारा मोटर मार्ग पर हुआ, जहां एक बोलेरो 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई। दोनों घटनाओं के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुट गईं। मंगलवार सुबह करीब 3:30 बजे हरिद्वार से कर्णप्रयाग जा रही विश्वनाथ सेवा की बस गूलर बाजार के पास अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए खाई और गदेरे में गिर गई। हादसे के समय बस में 30 से 35 यात्री सवार थे। दुर्घटना में 10 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इनमें सात ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीन की मौत एम्स ऋषिकेश ले जाते समय हुई। एसएसपी श्वेता चौबे के मुताबिक, 20 घायलों को निकालकर एम्स और स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एसडीआरएफ की टीमें अन्य लोगों की तलाश में जुटी रहीं। इससे पहले सोमवार देर शाम रुद्रप्रयाग में विवाह समारोह से लौट रहे 10 लोगों की बोलेरो चालक के नियंत्रण खोने से सड़क से करीब 500 मीटर नीचे खाई में गिर गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अंधेरा और खड़ी चट्टान होने के कारण बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण रहा। इसके बावजूद रेस्क्यू टीमों ने देर रात तक अभियान चलाकर सभी घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

सॉफ्टवेयर बग से अमेरिकी बैंकों में हड़कंप, ग्राहकों के पेमेंट अटके



जेपी मॉर्गन चेज समेत कई बैंकों की सेवाएं प्रभावित

8.6 करोड़ ग्राहकों वाले बैंक में हजारों ने दर्ज की शिकायतें

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के बड़े बैंक जेपी मॉर्गन चेज में सोमवार को सॉफ्टवेयर बग के कारण बैंकिंग सेवाएं बाधित हो गईं। हजारों ग्राहकों को ऑनलाइन अकाउंट खोलने, बैलेंस चेक करने, पैसे ट्रांसफर करने और पेमेंट पूरा करने में परेशानी हुई। इस तकनीकी खराबी का असर बैंक ऑफ अमेरिका, यूएस बैंक, वेल्स फार्गो, कैपिटल वन और ट्रूइस्ट जैसे बैंकों के कुछ लेन-देन पर भी पड़ा। जेपी मॉर्गन चेज के प्रवक्ता जो इवेंजेलिस्टी के मुताबिक, बैंक के कंप्यूटर सर्वर सिस्टम में तकनीकी गड़बड़ी के कारण यह समस्या आई थी। खराबी के दौरान ग्राहकों को स्क्रीन पर सेवाएं उपलब्ध नहीं होने और बाद में दोबारा प्रयास करने का संदेश दिखाई दिया। बैंक ने बाद में बताया कि उसकी सेवाएं दोबारा सामान्य हो गई हैं। आउटेज ट्रैक करने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर के अनुसार, जेपी मॉर्गन चेज के 4,700 से ज्यादा ग्राहकों ने शिकायत दर्ज कराई। बैंक ऑफ अमेरिका के 2,000 से अधिक और यूएस बैंक के 1,060 ग्राहकों ने भी परेशानी बताई। पेमेंट प्लेटफॉर्म जेले के जरिए पैसे भेजने और प्राप्त करने में भी देरी हुई। जेपी मॉर्गन चेज अमेरिका में 8.6 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों को सेवाएं देता है। इसकी करीब 5,000 शाखाएं हैं। ऐसे में तकनीकी खराबी के कारण बिल भुगतान, सैलरी ट्रांसफर और जरूरी लेन-देन जैसे काम प्रभावित हुए।

फिलीपींस के गुरुद्वारे में पीएम मोदी ने टेका मत्था, पुनर्निर्माण की रखी नींव



मनीला के ऐतिहासिक गुरुद्वारा खालसा दीवान में अरदास में हुए शामिल

बोले–यहां आकर खुद को भाग्यशाली मानता हूं

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा खालसा दीवान पहुंचे। यहां उन्होंने मत्था टेका और गुरुद्वारे में आयोजित अरदास में हिस्सा लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण की आधारशिला भी रखी। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, "मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मैं मनीला के गुरुद्वारा खालसा दीवान में आ पाया।" गुरुद्वारा खालसा दीवान फिलीपींस का सबसे पुराना गुरुद्वारा है। इसकी स्थापना 1920 के दशक में हुई थी। यह लंबे समय से मनीला में रहने वाले सिख और पंजाबी समुदाय के लिए धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। इसे अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त पांच मंजिला भव्य कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें समुदाय के लोगों के लिए पर्याप्त जगह और कई सुविधाएं उपलब्ध होंगी। प्रधानमंत्री मोदी आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को फिलीपींस पहुंचे थे। मंगलवार को वे 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इस दौरे के दौरान क्वाड देशों के नेताओं की संभावित बैठक और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मोदी की मुलाकात पर भी दुनिया की नजरें टिकी हैं।

लंदन में शेख हसीना के समर्थकों का हंगामा, नाहिद के कार्यक्रम में झड़प



अंडे–बोतलें फेंकने के बाद सड़क पर हुई मारपीट

पुलिस ने किया लाठीचार्ज 4 से 5 लोग घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में सोमवार रात बांग्लादेशी नेता नाहिद इस्लाम के स्वागत कार्यक्रम के दौरान हिंसक झड़प हो गई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के समर्थक आपस में भिड़ गए। घटना पूर्वी लंदन के रोमफोर्ड इलाके में मेफेयर हॉल के बाहर हुई। कार्यक्रम ब्रिटेन में रहने वाले बांग्लादेशी समुदाय ने आयोजित किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अवामी लीग के समर्थकों ने कार्यक्रम में पहुंच रहे लोगों पर अंडे और पानी की बोतलें फेंकीं। इसके बाद दोनों गुटों के बीच सड़क पर मारपीट शुरू हो गई। करीब 20 मिनट तक चले हंगामे को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को कई बार लाठीचार्ज करना पड़ा। घटना में 4 से 5 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। नाहिद इस्लाम प्रदर्शनकारियों के सामने आने से बचते रहे और कार्यक्रम स्थल से पीछे के रास्ते से बाहर निकले। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर अवामी लीग के कार्यकर्ताओं पर हमला करने का आरोप लगाया। नाहिद 2024 में शेख हसीना सरकार के खिलाफ छात्र आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शामिल थे। बाद में उन्होंने अंतरिम सरकार में सूचना सलाहकार की जिम्मेदारी संभाली और फरवरी 2025 में एनसीपी बनाई। फिलहाल वे ढाका-11 सीट से सांसद हैं। यह झड़प ऐसे समय हुई है, जब शेख हसीना ने दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की इच्छा जताई है।

आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ा चक्रवात अकवान 145 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

19 नवंबर की रात तट से टकराने का अनुमान

तीन राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात अकवान तेजी से आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह मंगलवार शाम तक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसके 19 नवंबर की रात आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान 120 से 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जो 145 किमी प्रति घंटे तक पहुंचेंगी। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में 21 नवंबर तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। चक्रवात अकवान, अनंब और मुरासु के बाद तीन सप्ताह में आंध्र प्रदेश को प्रभावित करने वाला तीसरा तूफान होगा। पिछले दो तूफानों से राज्य में करीब 7 हजार करोड़ रुपये की फसल बर्बाद हुई थी। उधर, पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के कारण ठंड बढ़ गई है। उत्तराखंड के बद्रीनाथ में तापमान माइनस 11 डिग्री तक पहुंच गया है, जिससे नदी का पानी जमने लगा है। हिमाचल के कुकुमसेरी में पारा माइनस 4.1 डिग्री दर्ज किया गया। दिल्ली में मंगलवार सुबह इस सीजन की सबसे ठंडी सुबह रही। सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं, शहर का अदक 238 रहा। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों में सुबह कोहरा छाया रहा।

पहले कई इलाकों की रेकी, फिर सीआरपीएफ नाके पर हमला

कुलगाम में उमर निसार डार और लश्कर कमांडर लतीफ भट ने हमले से एक दिन पहले की थी निगरानी

मुठभेड़ में उमर ढेर, लतीफ की तलाश जारी



यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सीआरपीएफ नाके पर हुए आतंकी हमले की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को मिले सीसीटीवी फुटेज में आतंकी उमर निसार डार और लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर लतीफ भट हमले से पहले इलाके की रेकी करते नजर आए हैं। दोनों ने 10 नवंबर को कुलगाम के कई स्थानों पर घूमकर सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए ठिकानों की पहचान की थी। इसके अगले दिन यानी 11 नवंबर को उन्होंने अखरान में सीआरपीएफ के नाके पर हमला कर दिया था। जांच के मुताबिक, दोनों आतंकियों ने मीर बाजार, अखरान, हबलिश और किलम समेत कई इलाकों का दौरा किया था। सीसीटीवी कैमरों में उनकी गतिविधियां और हमले के बाद भागने का रास्ता भी रिकॉर्ड हुआ है। हमले में तीन सीआरपीएफ जवान घायल हुए थे। वारदात के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया। जांच में यह भी सामने आया कि उमर निसार डार पिछले पांच से छह महीने से लतीफ भट को अपने यहां पनाह और मदद दे रहा था। उमर पहले पेशे से बेकर था। उसके अचानक लापता होने पर परिवार ने कुलगाम पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के दौरान उसकी आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता का खुलासा हुआ। एजेंसियों के अनुसार, सीआरपीएफ नाके पर हमले के बाद वह आतंकी संगठन में शामिल हो गया था। 16 नवंबर को सुरक्षा बलों ने कुलगाम के लारू इलाके में दोनों आतंकियों को घेर लिया। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई, जिसमें उमर निसार डार मारा गया, जबकि लतीफ भट गोली लगने के बावजूद फरार हो गया। सुरक्षा बलों ने उसकी तलाश में बड़े स्तर पर अभियान शुरू किया है।

सनसनी नहीं, राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे मीडिया: रजत शर्मा

सोशल मीडिया पर व्यूज के लिए नफरत फैलाने वालों पर नियंत्रण की जरूरत

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्रेस दिवस समारोह 2026 में इंडिया टीवी के चेयरमैन एवं एडिटर-इन-चीफ रजत शर्मा ने पत्रकारिता में जिम्मेदारी और सनसनी के बीच अंतर समझने की जरूरत बताई। नई दिल्ली के आकाशवाणी रंग भवन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मीडिया को देश के प्रति अपनी जवाबदेही नहीं भूलनी चाहिए। आलोचना करना हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन खबरों में जिम्मेदारी और संयम जरूरी है। रजत शर्मा ने कहा कि टीवी और ब्रॉडकास्ट मीडिया के लिए सेल्फ-रेगुलेशन की व्यवस्था है। गलती करने वाले चैनलों को उसी प्राइम टाइम स्लॉट में माफी मांगनी पड़ सकती है, जिसमें गलत खबर दिखाई गई थी। उन्होंने 26/11 मुंबई आतंकी हमले का उदाहरण देते हुए बताया कि उस दौरान सुरक्षा एजेंसियों की मदद के लिए लाइव प्रसारण में 10-12 मिनट की देरी की गई थी। उन्होंने विंग कमांडर अभिनंदन के मामले में मीडिया के संयम और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बिना पुष्टि खबरें चलाने को लेकर भी बात की। सुशांत सिंह राजपूत मामले में सनसनीखेज दावों की आलोचना की। सोशल मीडिया पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि यूट्यूब और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नियंत्रण की कमी है। कुछ लोग व्यूज और कमाई के लिए धर्म के नाम पर नफरत फैलाते हैं। उन्होंने जिम्मेदार मीडिया इकोसिस्टम बनाने की अपील की।

ध्वस्तीकरण के बाद फिर निर्माण, दो अवैध कॉलोनियों के साइट ऑफिस सील

रिफाइनरी के पास एनएच-2 पर विकसित हो रहीं थीं कॉलोनियां

एमवीडीए दोबारा चलाएगा ध्वस्तीकरण अभियान



यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण (एमवीडीए) ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। रिफाइनरी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर विकसित की जा रही दो अनधिकृत कॉलोनियों के साइट ऑफिस मंगलवार को सील कर दिए गए। ध्वस्तीकरण के बाद दोबारा निर्माण शुरू कराने पर प्राधिकरण ने यह कार्रवाई की है। अब दोनों कॉलोनियों के शेष अवैध निर्माणों को भी ध्वस्त किया जाएगा। प्राधिकरण के अनुसार, भगवान सिंह द्वारा मौजा बाद रिफाइनरी के पास करीब 22 हजार वर्गमीटर भूमि पर भूखंडों का विभाजन कर कॉलोनी विकसित की जा रही थी। वहीं संदीप द्वारा इसी क्षेत्र में करीब 12 हजार वर्गमीटर भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी। निर्धारित अवधि में अवैध निर्माण नहीं हटाने पर 16 अक्टूबर को प्राधिकरण की टीम ने दोनों कॉलोनियों में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की थी। इसके बावजूद विकासकर्ताओं ने दोबारा निर्माण शुरू करा दिया। इसे गंभीरता से लेते हुए 17 नवंबर को दोनों कॉलोनियों के साइट ऑफिस सील कर दिए गए। प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक, शेष अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने के लिए अलग से तिथि निर्धारित की जाएगी। उपाध्यक्ष के निर्देशन में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सीलिंग और ध्वस्तीकरण अभियान जारी रहेगा।

स्टार्टअप हॉराइजन में 60 टीमों के बीच नवाचार की टक्कर



विजेता टीम को सम्मानित करते चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल और अन्य पदाधिकारी।

महिला सुरक्षा एप से स्मार्ट गैस डिटेक्शन तक विद्यार्थियों ने पेश किए तकनीकी समाधान

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में आयोजित 'स्टार्टअप हॉराइजन' में विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच और तकनीकी प्रतिभा देखने को मिली। कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में 60 टीमों ने अपने नवाचारपूर्ण प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। निर्णायकों ने मौलिकता, उपयोगिता, व्यवहारिकता और प्रस्तुतीकरण के आधार पर तीन टीमों को विजेता घोषित किया। प्रतियोगिता में बीसीए तृतीय वर्ष के नितेश के नेतृत्व वाली टीम पंचजन्य ने महिला सुरक्षा एप्लिकेशन प्रस्तुत कर पहला स्थान हासिल किया। बीटेक सीएसई द्वितीय वर्ष के आकाश शर्मा, अशफाक खान और अनस खान की टीम हैजर्ड एक्स ने स्मार्ट हानिकारक गैस पहचान प्रणाली के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, राम पांडेय के नेतृत्व और एमसीए द्वितीय वर्ष के यश तिवारी की सहभागिता वाली टीम ब्रज सेवा 360 ने स्मार्ट पर्यटन-यात्रा सहायता प्लेटफॉर्म का विचार प्रस्तुत कर तीसरा स्थान पाया। कॉलेज चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल और वाइस चेयरमैन विशाल बंसल ने विजेता टीमों को सम्मानित करते हुए विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। गवर्निंग बोर्ड सदस्य इंजीनियर उमंग मित्तल, निदेशक प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल, डीन एकेडमिक प्रो. लोकेन्द्र शर्मा और वरिष्ठ रजिस्ट्रार भगवान सिंह ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश सिंह के निर्देशन में हुआ। समन्वयन नेहा बघेल और सह-समन्वयन गोपाल सारस्वत ने किया।

बरसाना पुलिस के खिलाफ छाता तहसील में अधिवक्ताओं का प्रदर्शन



पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन करते अधिवक्ता।

यूनिक समय, छाता। बरसाना थाना क्षेत्र के राणा की प्याऊ पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और अधिवक्ता के बीच हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले में अधिवक्ता गोकुलेश कटारा और उनके बेटे के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने की एफआईआर दर्ज होने से छाता तहसील के अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश है। अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में एकत्रित होकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद और भ्रष्ट अधिकारियों का नाश हो जैसे नारे लगाकर अपना विरोध जताया। अधिवक्ताओं का आरोप है कि उनके साथी गोकुलेश कटारा के खिलाफ द्वेषपूर्ण भावना से मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने इस कार्रवाई को अनुचित बताते हुए मुकदमा वापस लेने की मांग की।

ओला की सर्विस से परेशान युवक ने स्कूटी में लगाई आग



ओला की स्कूटी में बार-बार आ रही थी खराबी, दमकल की गाड़ी ने बुझाई आग

यूनिक समय, मथुरा। ओला कंपनी की स्कूटी में बार बार आ रही खराबी से नाराज युवक ने सर्विस सेंटर के सामने ही स्कूटी को आग के हवाले कर दिया। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। ओला कंपनी की स्कूटी खरीदने के बाद उसमें बार-बार आ रही खराबी को लेकर युवक मंगलवार की शाम को सौंख रोड राधिका विहार के सामने स्थित ओला सर्विस सेंटर पर पहुंचा। युवक ने स्कूटी में बार बार आ रही खराबी को लेकर कंपनी कर्मचारियों से शिकायत की। कंपनी कर्मचारियों ने उसकी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया। इससे कुपित होकर युवक ने कंपनी के सामने ही स्कूटी पर तेल छिड़क कर उसे आग के हवाले कर दिया। स्कूटी में आग लगाने की सूचना? मिलने के बाद दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने किसी प्रकार आग पर काबू पाया। स्कूटी में आग की सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। फायर सर्विस कंट्रोल ने बताया कि युवक ने ओला सर्विस सेंटर के सामने स्कूटी में आग लगा दी थी। इस सूचना पर एक गाड़ी को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। आग से किसी प्रकार की जनहानि की कोई सूचना नहीं है।

अधिवक्ताओं के लिए सुरक्षा अधिनियम और 15 सूत्रीय मांगों का उठाया मुद्दा



डिप्टी कलक्टर को ज्ञापन देते मथुरा टैक्स बार एसोसिएशन के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अधिवक्ताओं की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक कल्याण से जुड़ी मांगों को लेकर मथुरा टैक्स बार एसोसिएशन (पंजीकृत) ने मुख्यमंत्री के नाम 15 सूत्रीय मांगपत्र डीएम को सौंपा। मांगपत्र के माध्यम से प्रदेश में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम तत्काल लागू करने के साथ अधिवक्ताओं के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने की मांग की गई। एसोसिएशन ने मांग की कि नए अधिवक्ताओं को शुरुआती पांच वर्षों तक 10 हजार रुपये प्रतिमाह प्रोत्साहन भत्ता दिया जाए। 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ अधिवक्ताओं को 30 हजार रुपये मासिक सम्मान राशि तथा अधिवक्ता कल्याण निधि से मिलने वाली सहायता राशि पांच लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये की जाए। इसके अलावा अधिवक्ताओं और उनके परिवारों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा, पेंशन योजना और प्रत्येक जनपद में आधुनिक बहुमंजिला अधिवक्ता चैंबर उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। एसोसिएशन ने कहा कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा और सामाजिक-आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। इस मौके पर अध्यक्ष एडवोकेट योगेश कुमार वर्मा, महामंत्री एडवोकेट राजीव तोमर, एडवोकेट संतोष कुमार भोजवाल, एडवोकेट चौधरी अजवेन्द्र सिंह, एडवोकेट गौरांग खंडेलवाल, एडवोकेट विकास शर्मा और एडवोकेट अजीत सिंह सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों के साथ संपन्न हुआ रामलीला महोत्सव का झंडा विसर्जन

यूनिक समय, कोसीकलां। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र को जीवंत करने वाले श्री रामलीला महोत्सव का समापन मंगलवार को हर्षोल्लास और धार्मिक परंपराओं के साथ झंडा विसर्जन कार्यक्रम के साथ हुआ। रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, जानकी और हनुमान जी की आरती के बाद रामलीला के पवित्र ध्वज को सम्मान के साथ उतारा गया और पूरे विधि-विधान के साथ उसका विसर्जन किया गया। शोभायात्रा में रामलीला के कलाकार भगवान के स्वरूपों में शामिल हुए, जिन्हें देखने के लिए सड़कों के दोनों किनारों पर लोगों की भारी भीड़ लगी रही। पूरे नगर में जय श्रीराम और जय बजरंग बली के गगनभेदी जयकारे गूंजते रहे। जगह-जगह व्यापारियों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष गिर्राज सिंह ने बताया कि इस वर्ष की रामलीला बड़े ही सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई, जिसके लिए वह सभी नगरवासियों, सहयोगियों और प्रशासन का आभार व्यक्त करते हैं। झंडा विसर्जन के साथ ही अगले वर्ष की रामलीला की तैयारियों की औपचारिक शुरुआत भी मानी जाती है।

सीएम के दौरे से पहले पदम फौजी नजरबंद

यूनिक समय, बरसाना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बरसाना दौरे से पहले पुलिस प्रशासन ने विरोध की आशंका को देखते हुए सख्ती शुरू कर दी है। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि पदम फौजी को मंगलवार सुबह करीब 11 बजे नगर पंचायत कार्यालय में ही नजरबंद कर दिया गया। चीनी मिल के मुद्दे पर उनकी नाराजगी और किसानों के धरने को इस कार्रवाई की वजह माना जा रहा है। बताया गया है कि चीनी मिल को लेकर स्थानीय किसानों में लंबे समय से असंतोष है। इस मुद्दे पर पदम फौजी भी नाराजगी जता चुके हैं। उनके समर्थकों के अनुसार, पुलिस सुबह से ही उनकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। इसके बाद उन्हें नगर पंचायत कार्यालय में पुलिस की निगरानी में बैठा दिया गया। पुलिस प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री के वीआईपी दौरे और सुरक्षा प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए एहतियातन यह कदम उठाया गया है, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। मुख्यमंत्री के दौरे से पहले हुई इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

इलाज के दौरान युवक की मौत, अस्पताल पर आरोप

यूनिक समय, मथुरा। इलाज के दौरान एक युवक की मौत होने के बाद परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। आ क्रोशित परिजन युवक के शव को लेकर कृष्णानगर पुलिस चौकी पहुंच गए। अचानक हुए इस घटनाक्रम से पुलिस चौकी पर लोगों की भीड़ जुट गई। वहीं, गोवर्धन चौराहे के समीप कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। परिजन अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे थे। उनका कहना था कि इलाज के दौरान युवक की मौत हुई है। कृष्णानगर पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि युवक की मौत इलाज के दौरान हुई है। पुलिस ने परिजनों से बातचीत कर मामले की जानकारी ली।

परिषदीय विद्यालयों में अर्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू, बच्चों में दिखा उत्साह

21 नवंबर तक चलेंगी परीक्षाएं, जिले के 1536 विद्यालयों के बच्चे दे रहे परीक्षाएं

यूनिक समय, मथुरा। जिले के परिषदीय विद्यालयों में मंगलवार से शैक्षिक सत्र 2026-27 की अर्धवार्षिक परीक्षाओं का आगाज हो गया। विभागीय निर्देशों के तहत जनपद के 1536 विद्यालयों में परीक्षा शुरूहुई। यह परीक्षा 21 नवंबर तक चलने वाली इस परीक्षा को लेकर छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। पहले दिन विभिन्न कक्षाओं के बच्चों ने निर्धारित विषयों के प्रश्नपत्र हल किए। विद्यालयों में सुबह से ही परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। प्रथम पाली में कक्षा चार एवं पांच के विद्यार्थियों की हिंदी की परीक्षा हुई, जबकि कक्षा दो और तीन के बच्चों ने गणित के प्रश्न हल किए। वहीं कक्षा एक के विद्यार्थियों की मौखिक परीक्षा कराई गई। शिक्षकों ने बच्चों को परीक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रधानाध्यापक गोवर्धन दास गुप्ता ने बताया कि सुबह से ही बच्चों में परीक्षा को लेकर उत्साह दिखाई दिया। कुछ विद्यार्थी नियमित रूप से विद्यालय नहीं पहुंच रहे थे। ऐसे बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया। विकासखंड राया के प्राथमिक विद्यालय गौसना में पहले दिन परीक्षा शुरू की गई। जिसमें पंजीकृत 247 छात्र-छात्राओं में से 240 ने परीक्षा दी। परीक्षा में प्राची अग्रवाल, तृप्ति श्रीवास्तव, नीरू शर्मा, देवेंद्र सिंह, आकांक्षा गौड़, रत्ना शर्मा, नीलम शर्मा एवं हेमलता ने कक्ष निरीक्षक के रूप में जिम्मेदारी निभाई। उधर, औरंगाबाद स्थित प्राथमिक विद्यालय में भी अर्धवार्षिक परीक्षा सम्पन्न हुई। प्रधानाध्यापक ममता शर्मा की देखरेख में विद्यार्थियों ने प्रश्नपत्र हल किए। पहले दिन की परीक्षा के साथ ही जिलेभर के परिषदीय विद्यालयों में अर्धवार्षिक मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। आगामी दिनों में निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार अलग-अलग विषयों की परीक्षाएं कराई जाएंगी।

गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस पर निकलेगा नगर कीर्तन

29 नवंबर को मथुरा पहुंचेगी यात्रा, स्थानीय संगत से स्वागत और सहभागिता की अपील

यूनिक समय, मथुरा। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी और उनके साथ शहीद हुए भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में 29 नवंबर को विशाल नगर कीर्तन निकाला जाएगा। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से आयोजित यह यात्रा आगरा से शुरू होकर मथुरा के रास्ते दिल्ली पहुंचेगी।

नगर कीर्तन का शुभारंभ आगरा स्थित गुरुद्वारा गुरु का ताल से होगा। इसके बाद यात्रा मथुरा, कोसी, होडल, पलवल, बल्लभगढ़ और फरीदाबाद होते हुए दिल्ली के गुरुद्वारा शीशगंज साहिब पहुंचेगी। यात्रा रात्रि में दिल्ली पहुंचेगी। शहीदी दिवस का स्मरणोत्सव 14 दिसंबर को मनाया जाएगा। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने गुरुद्वारा श्री कृष्णा नगर सोसायटी के अध्यक्ष सरदार परमजीत सिंह को पत्र भेजकर आमंत्रित किया है। कमेटी के प्रधान हरजीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने स्थानीय गुरुद्वारा प्रबंधक समितियों और संगत से नगर कीर्तन का स्वागत करने और सहभागिता निभाने की अपील की है। मथुरा में यात्रा के आगमन को लेकर सिख समाज में उत्साह है।